तापमान
अधिकतम-24⁰C
न्यूनतम-07⁰C

प्रयाग दर्पण

प्रयागराज से प्रकाशित व सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में प्रसारित

ऊर्जा मंत्री ने की ओटीएस, आरडीएसएस, बिजनेस प्लान की समीक्षा, कार्यों में तेजी लाने के निर्देश 3

कल मोदी काशी को देंगे 19 हजार करोड़ की सौगात 4

वर्ष : 09 अंक : 252 प्रयागराज, रविवार 17 दिसम्बर 2023 www.prayagdarpanlive.com हिन्दी दैनिक पृष्ठ : 4 मूल्य: 3 रूपये

संसद में सेंध लगाने के आरोपियों ने खुद को आग लगाने समेत कई विकल्प सोचे थे

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में 13 दिसंबर को सेंध लगाने के मामले में गिरफ्तार पांचों आरोपियों ने खुलासा किया है कि उन्होंने लोकसभा के कक्ष में कूदकर धुआं उड़ाने की योजना पर सहमति बनाने से पहले स्वयं को आग लगाने और पर्चे बांटने जैसे विकल्पों पर भी विचार किया था। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। मामले की जांच कर रहे दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं सांसद प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज करने की भी योजना है। सदन के भीतर सुरक्षा में सेंध लगाने वाले दो पुरुषों को सिम्हा के जरिए पास मिला था। आरोपी सागर शर्मा और मनोरंजन डी शून्यकाल के दौरान दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए थे और उन्होंने 'केन से पीली गैस उड़ाते हुए नारेबाजी की जिसके बाद सांसदों ने उन्हें पकड़ लिया था। लगभग उसी समय संसद भवन के बाहर दो अन्य आरोपियों अमोल शिंदे और नीलम देवी ने 'केन से रंगीन धुआं फैलाते हुए ''तानाशाही नहीं चलेगी के नारे लगाए थे। पांचवें आरोपी ललित झा ने परिसर के बाहर विरोध प्रदर्शन के वीडियो सोशल मीडिया पर कथित तौर पर प्रसारित किए। जांच से अवगत दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने 'कहा, ''(लोकसभा कक्ष में कूदने की)इस योजना को अंतिम रूप देने से पहले उन्होंने (आरोपियों ने) कुछ ऐसे तरीके तलाशे थे जिनके जरिए वे प्रभावशाली तरीके से सरकार तक अपना संदेश पहुंचा सकें। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने सबसे पहले अपने शरीर को अग्निरोधक लेप से ढककर आत्मदाह करने पर विचार किया लेकिन फिर यह विचार त्याग दिया। अधिकारी ने बताया कि उन्होंने संसद के अंदर पर्चे बांटने पर भी विचार किया, लेकिन आखिरकार संसद में धुआं फैलाने का विकल्प चुना। अधिकारी ने बताया कि विशेष प्रकोष्ठ की 'काउंटर इंटेलिजेंस टीम इस मामले के संबंध में मैसूर से भाजपा सांसद सिम्हा का बयान दर्ज करने की भी योजना बना रही है। सूत्रों ने बताया कि बच निकलने में झा की मदद करने के आरोपियों महेश और कैलाश को जांचकर्ताओं ने क्लीन चिट नहीं दी है। पुलिस झा को जल्द ही राजस्थान के नागौर ले जाएगी जहां वह भागने के बाद बुधवार को ठहरा था। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि उसे उस स्थान पर ले जाया जाएगा, जहां उसने अपना एवं अन्य आरोपियों के मोबाइल फेन नष्ट करने का दावा किया है। सभी पांचों आरोपियों को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया है।

पीएम मोदी ने विजय दिवस पर बहादुर नायकों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान पर विजय के दिन विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के बहादुर नायकों के शौर्य, वीरता और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, आज, विजय दिवस पर, हम उन सभी बहादुर नायकों को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने 1971 में निर्णायक जीत सुनिश्चित करते हुए कर्तव्यनिष्ठा से भारत की सेवा की। उनकी वीरता और समर्पण राष्ट्र के लिए अत्यंत गौरव का स्रोत है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा,उनका बलिदान और अटूट भावना हमेशा लोगों के दिलों और हमारे देश के इतिहास में अंकित रहेगी। भारत उनके साहस को सलाम करता है और उनकी अदम्य भावना को याद करता है। 1971 की भारत-पाकिस्तान की लड़ाई में 16 दिसंबर के दिन ही पाकिस्तान ने ढाका में भारत के सामने आत्मसमर्पण के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए थे। उस लड़ाई में पाकिस्तान के 93 हजार से अधिक सैनिकों ने भारतीय सेना की बहादुरी के आगे घुटने टेकते हुए आत्मसमर्पण कर दिया था। 16 दिसंबर की उसी तारीख को भारत में हर साल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

संसद सुरक्षा उल्लंघन को लेकर कांग्रेस ने भाजपा व गृह मंत्री शाह पर बोला हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस ने संसद की सुरक्षा में सेंध को लेकर शनिवार को भाजपा और गृह मंत्री अमित शाह पर हमला बोला और मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा, भाजपा और गृह मंत्री, प्रधानमंत्री इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं, विपक्ष नहीं। एक संवाददाता सम्मेलन में जब उनसे संसद की सुरक्षा में सेंध के मुद्दे और सरकार द्वारा विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने यह टिप्पणी की। वेणुगोपाल ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने अदालत को बताया है कि यह एक आतंकवादी हमला है। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन आती है। उन्होंने कहा, आपने हमें बताया था कि यह दुनिया की सबसे सुरक्षित इमारत है और इस इमारत पर भारी पैसा खर्च किया गया था, इसके बावजूद सुरक्षा चूक हुई।उन्होंने शीतकालीन सत्र के शेष समय के लिए 14 सांसदों को निलंबित करने के लिए भी सरकार की आलोचना की और कहा, आपने 14 सांसदों को निलंबित कर दिया है। क्यों? जिस व्यक्ति ने उन्हें पास प्रदान किया वह भाजपा सांसद (प्रताप सिम्हा) है।उन्होंने यह भी कहा कि पीठासीन पदाधिकारी की भूमिका सदस्यता निलंबित करने की हो गयी है। एक अन्य सवाल पर कि दिल्ली पुलिस प्रताप सिम्हा का बयान दर्ज करना चाहती है, वेणुगोपाल ने कहा, वे ऐसे लोगों के लिए भारत रत्न की सिफारिश करेंगे।

गोयल ने की भारतीय अर्थव्यवस्था की सराहना, कहा, हम तेजी से बढ़ रहे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मंत्री पीयूष गोयल ने दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा है कि दुनिया के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं और अस्पष्ट चीजें चारों ओर हो रही हैं। इस सबके बीच हम अपनी अर्थव्यवस्था को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित करने में सफल रहे हैं। भारत मंडपम में लीड रिपोर्ट 2023 जारी करने के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह अस्थिरता और अनिश्चितताओं का दिन और युग है। दुनिया के सामने बहुत सारी चुनौतियां हैं और अस्पष्ट चीजें चारों ओर हो रही हैं। इस टन्ब। (अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता) की दुनिया में, मुझे लगता है कि भारत एक उज्ज्वल सितारे और एक ऐसे देश के रूप में खड़ा है जिसने पीएम मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था को बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किया है। हम लगातार सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और भविष्य में कई वर्षों तक ऐसा ही रहने की उम्मीद है।भारत मंडपम में लीड्स रिपोर्ट 2023 जारी करने पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, ष्लॉजिस्टिक्स क्षेत्र भारत को 2047 तक 3.5 ट्रिलियन से 35 ट्रिलियन तक 10 गुना स्तर पर ले जाने के हमारे प्रयास में आधारशिला होगा जो सामूहिक मिशन है। लॉजिस्टिक्स क्षेत्र संभवतः ऐसा करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक 2023 में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, चंडीगढ़ और गुजरात समेत 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया है। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।सूचकांक निर्यात और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक सेवाओं की दक्षता का संकेतक है। सूची में तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड को शामिल किया गया है।आकांक्षी श्रेणी में स्थान पाने वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में गोवा, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और झारखंड शामिल हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा जारी पांचवीं लीड्स (विभिन्न राज्यों में लॉजिस्टिक सुगमता) 2023 रिपोर्ट में राज्यों को उनके लॉजिस्टिक माहौल के आधार पर सूचीबद्ध किया गया है। इसमें हितधारकों के सामने आने वाली प्रमुख लॉजिस्टिक संबंधी चुनौतियों पर प्रकाश भी डाला गया है।

खबरें एक नजर में

घाटी में घुसपैठ की फिराक में 250 से 300 आतंकवादी, बीएसएफ अधिकारी बोले, मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सेना तैयार

जम्मू। नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित लॉन्च पैड पर लगभग 250 से 300 आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की फिराक में हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। बहरहाल, अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बल सतर्क हैं और सीमा पार से किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर देंगे। बीएसएफके महानिरीक्षक अशोक यादव ने दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में संवाददाताओं से कहा, ''खुफिया जानकारी मिली है कि 250-300 आतंकवादी लॉन्च पैड पर घुसपैठ का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन हम और सेना सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़ी नजर रख रही है और हम सतर्क हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएफ और सेना के बहादुर जवान सीमावर्ती इलाकों में सतर्क हैं और घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम कर देंगे। यादव ने कहा, ''हम घुसपैठ की किसी भी कोशिश को नाकाम करने को लेकर आश्वस्त हैं।बीएसएफ महानिरीक्षक ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षा बलों और कश्मीर के लोगों के बीच जुड़ाव बढ़ा है। उन्होंने कहा,''अगर लोग हमारा सहयोग करें तो हम विकासात्मक गतिविधियों को बेहतर तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं।

मेरठ में अवैध हथियार बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़, आरोपी पिता-पुत्र गिरफ्तार

मेरठ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और स्थानीय पुलिस की टीम ने मेरठ में कथित तौर पर एक अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफेड़ किया। मौके से पुलिस ने 32 बोर की 2 तैयार पिस्तौल और अवैध हथियार बनाने में इस्तेमाल की जा रही मशीनों और औजारों को जब्त किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि एसटीएफ ने मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो रिश्ते में पिता-पुत्र हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी), एसटीएफबृजेश कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लिसाड़ी गेट क्षेत्र निवासी मोइनुद्दीन और तौसीफके तौर पर की गई है। वहीं, घटना में शामिल आसिफ नामक आरोपी को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। एसपी सिंह के अनुसार, शनिवार को एसटीएफकी मेरठ इकाई ने स्थानीय पुलिस के साथ मिल कर शहर के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के एक मकान में छापा मारा। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार पिता-पुत्र ने बताया कि वे पहले लोहे का काम करते थे लेकिन धंधा मंदा होने पर मोहल्ले के ही आसिफकी मदद से अवैध हथियार बनाने का काम शुरू कर दिया। सिंह के मुताबिक, दोनों से आसिफके साथी 20-22 हजार रुपये में एक पिस्तौल खरीदते थे और अपने ग्राहकों को 30-35 हजार रुपए में उसे बेचते थे। गिरफ्तार आरोपी अब तक 60 से 70 पिस्तौल बेच चुके हैं।

रतन टाटा को मिली जान से मारने की धमकी, कहा-सुरक्षा बढ़ा लो, वर्ना सायरस मिस्त्री जैसा होगा हाल

मुंबई। देश की सबसे बड़ी टेक दिग्गज कंपनी टाटा के मालिक रतन टाटा को लेकर मुंबई पुलिस के पास एक धमकी भरा कॉल आया। कॉल में कॉलर ने रतन टाटा को जान से मारने की धमकी दी है। उसने कहा कि रतन टाटा की सुरक्षा बढ़ा दी जाए, वरना उनका भी हाल सायरस मिस्त्री जैसा ही होगा। इस कॉल के आने के बाद से मुंबई पुलिस पूरी तरह से अलर्ट है। ताजा जानकारी के मुताबिक, मुंबई पुलिस की एक टीम ने रतन टाटा की सुरक्षा को बढ़ा दिया है। वहीं, कॉलर के बारे में भी पुलिस ने जानकारी हासिल कर ली है।सूत्रों के मुताबिक, जब कॉलर से दोबारा संपर्क करने की कोशिश की गई तो उसका फेन बंद था जिसके बाद पुलिस ने तकनीकी सहायता से और टेलीकॉम कंपनी की मदद से कॉलर का पता लगाया। कॉलर की लोकेशन कर्नाटक में पता चली और जब उसका एड्रेस निकाला गया तो पता चला कि कॉलर पुणे का रहने वाला है। सूत्रों ने आगे दावा किया कि जिस कॉलर ने कॉल किया वो पिछले 5 दिन से लापता था और उसकी पत्नी ने उसके गुमशुदगी की शिकायत भी पुलिस स्टेशन में की थी।पुलिस की पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि कॉलर को सिजोफ्रेनिया है और वो बिना बताये किसी को घर से फेन लेकर चला गया। उसी फेन से उसने मुंबई पुलिस के कंट्रोल नंबर पर कॉल कर रतन टाटा को जान से मारने की धमकी दे डाली थी।

बीते दशक में कुछ नहीं बदला, लड़कियां आज भी सुरक्षित नहीं, निर्भया घटना की 11वीं बरसी पर बोली स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने निर्भया घटना की 11वीं बरसी पर शनिवार को कहा कि बीते दशक में कुछ नहीं बदला है और दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध केवल बढ़े हैं। फिजियोथेरेपी की 23 वर्षीय प्रशिक्षु से 16 दिसंबर 2012 को दक्षिण दिल्ली में एक बस के भीतर छह लोगों ने दुष्कर्म किया और उससे मार-पीट की इसके बाद चलती बस से उसे फेंक दिया था। उसकी 29 दिसंबर को सिंगापुर के माउंट एलिजाबेथ हॉस्पिटल में मौत हो गई थी। इस घटना ने देशभर के लोगों को आक्रोशित कर दिया था जिसके बाद देश में यौन हिंसा से जुड़े कई नए कानून बनाए गए थे। इस घटना के बाद पीड़िता को 'निर्भया नाम दिया गया था। स्वाति मालीवाल ने कहा, ''निर्भया के साथ 2012 में एक दुखद घटना हुई जब उससे सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। वह लड़की तड़प-तड़प कर मर गई। उन्होंने कहा, ''घटना के वक्त लोग बदलाव की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आए थे। लेकिन उस हादसे के वर्षों बाद भी हम उसी जगह पर खड़े हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध दिन प्रति दिन बढ़ रहे हैं। कुछ नहीं बदलेगा जब तक कि अपराधियों को यह भय नहीं होगा कि ऐसे अपराधों के लिए व्यवस्था उन्हें नहीं छोड़ेगी। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष ने निश्चित तौर पर सजा मिलने और जल्द सजा दिए जाने का आह्वान किया तथा कहा कि सरकारों के ऐसे संवेदनशील मामले ''गंभीरता से लेने चाहिए। मालीवाल ने कहा, ''जरूरत इसकी है कि सजा निश्चित तौर पर मिले और जल्दी मिले और सरकारों को ऐसे मामलों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। पुलिस की ताकत और त्वरित अदालतों की संख्या बढ़नी चाहिए। हमें ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है जहां न्याय तेजी से और व्यवस्थागत तरीके से मिले। उन्होंने दावा किया, ''हर साल 16 दिसंबर को नेता बदलाव लाने के बारे में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं लेकिन ये सब व्यर्थ हैं। 'निर्भया मामले में आरोपी छह लोगों में से राम सिंह ने मुकदमा शुरू होने के कुछ दिन बाद जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी।

भारत जोड़ो यात्रा 2.0 जनवरी के पहले सप्ताह में पूर्वोत्तर से शुरू होने की संभावना

नई दिल्ली। कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा चरण आयोजित करने की योजना बना रही है, जो जनवरी के पहले सप्ताह से शुरू होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, भारत जोड़ो यात्रा का पहला चरण, जिसका नेतृत्व पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी ने किया था और पांच महीने में तमिलनाडु के कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर तक 4,000 किमी से अधिक की यात्रा की थी, कांग्रेस कार्यकर्ता को एक साथ लाने के लिए एक बड़ी सफलता थी। इसी प्रकार पार्टी ने 2024 में जनवरी के पहले सप्ताह से यात्रा के दूसरे चरण की योजना बनाई है, जो पार्टी के लोकसभा अभियान की भी शुरुआत करेगी। सूत्र ने कहा कि यात्रा के दूसरे चरण की योजना जनवरी के पहले सप्ताह से बनाई जा रही है। सूत्र ने बताया कि इस बार भारत जोड़ो यात्रा 2.0 हाइब्रिड मोड में होगी, इसमें पद यात्रा और बस से यात्रा शामिल होगी। सूत्र ने कहा कि पदयात्रा पश्चिम और उत्तर भारत के कई शहरों और गांवों से होकर गुजरेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यात्रा पूर्वोत्तर से शुरू होगी और दो महीने से अधिक समय तक चलेगी।सूत्र ने बताया कि पार्टी नेता भारत जोड़ो यात्रा के कार्यक्रम की तैयारी और उसे दुरुस्त करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत की पहाड़ी और ठंड की स्थिति को देखते हुए यात्रा की योजना में कई चीजें शामिल हैं। सूत्र ने यह भी कहा कि यात्रा के दौरान पूरे रास्ते के शहरों और गांवों में कई नुक्कड़ और सार्वजनिक बैठकें होंगी।भारत जोड़ो यात्रा पिछले साल 7 सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू हुई और केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली और जम्मू-कश्मीर से होकर गुजरी। यात्रा 30 जनवरी को श्रीनगर में संपन्न हुई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगे बढ़कर यात्रा का नेतृत्व किया और कई सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया और यात्रा के दौरान समाज के कई समूहों से भी मुलाकात की।

संसद सुरक्षा उल्लंघनः क्राइम सीन को रीक्रिएट करने के लिए आरोपियों को ले जाएगी पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के मामले में पकड़े गए आरोपियों को पूरे क्राइम सीन को रीक्रिएट करने के लिए ले जाएगी। जांच से जुड़े एक सूत्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों से संकेत मिलता है कि कथित अपराधी को संसद में अपराध की पुनरावृत्ति से गुजरना होगा, जिससे पुलिस को कलर स्प्रे के साथ बिल्डिंग में अपराधी के प्रवेश और उनकी योजना के क्रियान्वयन को समझने में सुविधा होगी।कथित तौर पर, स्पेशल सेल आरोपियों के साथ जाएगी और उन्हें संसद परिसर के प्रवेश द्वार से इमारत के भीतर घटना को सावधानीपूर्वक दोहराने के लिए मार्गदर्शन करेगी। चल रही संसदीय कार्यवाही के कारण, स्पेशल सेल की टीम को शुक्रवार को गिरफ्तारी के बाद के दृश्य को दोबारा बनाने में चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उम्मीद है कि टीम शनिवार या रविवार को खेल आयोजित करेगी जब संसद का सत्र नहीं चल रहा हो।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी के सामने फिर पेश नहीं हुए कार्ति चिदंबरम, जांच को बताया बेतुका

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता एवं सांसद कार्ति चिदंबरम ने 2011 में कुछ चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से जुड़े धनशोधन के मामले में उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी ताजा समन के संबंध में शनिवार को पेश होने से छूट मांगते हुए जांच को बेतुका बताया और कहा कि उन्हें दस्तावेज एकत्र करने के लिए समय चाहिए। इससे पहले संघीय एजेंसी ने तमिलनाडु की शिवमोगा सीट से 52 वर्षीय सांसद को दिल्ली में 12 दिसंबर को मामले के जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने को कहा था। सांसद ने संसद सत्र में व्यस्त होने को जांच अधिकारी के समक्ष पेश नहीं होने का कारण बताया था। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने उन्हें 16 दिसंबर को पेश होने को कहा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी के अनुसार, वेदांता समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी ने कार्ति और उनके करीबी सहयोगी एस भास्कररमन को रिश्वत के रूप में 50 लाख रुपये दिए थे। प्रवर्तन निदेशालय का 2022 का यह मामला इन्हीं आरोपों से जुड़ा है। कार्ति ने अपने वकील के माध्यम से मामले के जांच अधिकारी को अपना चुनावी हलफनामा, आयकर रिटर्न, बैंक खातों और अचल संपत्ति का विवरण संलग्न करते हुए लगभग 100 पन्नों का जवाब भेजा है और उन्होंने शनिवार को पेश होने से छूट और एजेंसी द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेज एकत्र करने के लिए समय मांगा है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि ईडी ने उनके अनुरोध पर विचार किया है या नहीं। कार्ति के वकील ने कहा कि वह एजेंसी के सामने पेश होने और जांच में सहयोग करने के इच्छुक हैं। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय से कहा कि ताजा समन से सांसद के खिलाफ लगाए गए आरोपों का खुलासा नहीं होता है और यह भी पता नहीं चलता है कि उन्हें मामले में आरोपी के तौर पर बुलाया गया है या गवाह के तौर पर। सांसद ने पत्र में कहा कि उनसे मांगी गई जानकारी और दस्तावेज कुछ और नहीं बल्कि ''बेतुकी जांच है और इस जांच में उनके और उनके परिवार के सदस्यों के व्यक्तिगत वित्तीय मामलों को शामिल करने का कोई कारण नहीं है।

स्वस्थ परंपरा नहीं

इसमें दो राय नहीं कि संसद पर दो दशक पहले हुए हमले वाले ही दिन दुबारा सूरक्षा चूक का जो मामला सामने आया, उस पर सांसदों की तल्ख प्रतिक्रिया स्वाभाविक ही थी। मगर घटना के विरोध में भारी हंगामा भी टाला जाना चाहिए था। निस्संदेह, जनप्रतिनिधि किसी भी समाज के नायक होते हैं और उनके व्यवहार का सीधा प्रभाव समर्थकों व नागरिकों पर भी होता है। वहीं दूसरी ओर 15 विपक्षी सांसदों का शीतकालीन सत्र के लिये निलंबन भी अप्रिय घटनाक्रम ही कहा जाएगा। यह भी हकीकत है कि विपक्ष ने भी सूरक्षा चूक मामले को सरकार को घेरने के एक अवसर के रूप में देखा। यह विडंबना ही कही जाएगी कि हाल के दिनों में संसद के दोनों सदनों में जहां विपक्षी सांसदों में खासी तल्खी देखी जाती है, वहीं सत्तापक्ष द्वारा भी उसी अंदाज में प्रतिकार होता है। निस्संदेह, इस तरह का व्यवहार स्वस्थ लोकतंत्र के हित में कदापि नहीं कहा जा सकता। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों ही जनहित के सरोकारों को लेकर प्रतिबद्ध होते हैं। सत्ता पक्ष का दायित्व जहां आर्थिक विकास व नियोजन का क्रियान्वयन करना होता है, वहीं विपक्ष का दायित्व सत्ता पक्ष के निरंकुश व्यवहार पर अंकुश लगाना होता है। दोनों जनहित में प्रयासरत रहते हैं तो ऐसे में तल्खी, अप्रिय वाद-विवाद तथा निलंबन आदि का औचित्य क्या है? दोनों पक्षों को दुराग्रह से मुक्त होकर सुचारु रूप से सदन चलाना चाहिए। जाहिर बात है कि लोकसभा में विपक्ष के चौदह और राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन के निलंबन को टालने का प्रयास करना चाहिए था। अतीत में भी सदन में गर्मागर्मी व तीखी बहसें होती रही हैं लेकिन सत्ता पक्ष अप्रिय टकराव टालने के प्रयास करता रहा है। निस्संदेह, माननीयों के व्यवहार में शालीनता, गरिमा व धैर्य जैसे मानवीय भाव दृष्टिगोचर होने चाहिए। जिससे देश की जनता व विदेश में भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का संदेश जाए। दरअसल, सूरक्षा चूक के मामले में विपक्ष गृहमंत्री के बयान देने की मांग पर अड़ा था। साथ ही मांग थी कि भाजपा के उस सांसद पर भी कार्रवाई हो, जिसकी अनुशंसा पर आरोपियों को संसद की दर्शक दीर्घा में प्रवेश मिला। बहुत संभव है देर-सवेर सरकार के किसी जिम्मेदार मंत्री द्वारा विपक्ष की मांग पर बयान दिया जाता। वहीं दूसरी ओर उत्तेजित हुए विपक्षी सांसदों को भी जरूरी संयम का परिचय देना चाहिए था। लेकिन आम चुनाव की ओर बढ़ते देश में लोकसभा के आखिरी सत्र में राजनीतिक प्रतिक्रिया के निहितार्थ समझना भी कठिन नहीं है। निस्संदेह, संसद की सुरक्षा एक संवेदनशील मुद्दा है और बाईस साल पहले हुए हमले में हमने बड़ी कीमत चुकायी थी। विश्वास था कि उस घटना से सबक लेकर हमने सुरक्षा की चाकचौबंद व्यवस्था की होगी। लेकिन येन-केन-प्रकारेण दो युवक संसद की सुरक्षा व्यवस्था को भेदने में कामयाब हुए। जाहिर है कि देश की संसद की सुरक्षा में खामी रहने से उपजे घटनाक्रम का देश के जनमानस के मनोबल पर प्रतिकूल असर पड़ता है। ऐसे में विपक्ष का सुरक्षा चूक मामले में जवाब मांगना तो बनता ही था। लेकिन इस मामले में सुरक्षा व जांच एजेंसियों की पड़ताल के लिये भी समय दिया जाना चाहिए। निस्संदेह, यह सरकार के सुरक्षा प्रबंधों की विश्वसनीयता का प्रश्न भी है। इस मामले में विपक्ष से भी जवाबदेह व संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की ही जाती है। इसके बावजूद सतारूढ़ पक्ष द्वारा विपक्षी सांसदों के निलंबन की कार्रवाई को सिर्फ अपवाद स्वरूप ही करना चाहिए। तभी अच्छा संदेश जाएगा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में सत्ता पक्ष एक परिपक्व व्यवहार का परिचय देता है। बहरहाल, सूरक्षा चूक का मामला कई सबक देकर गया है। सांसदों को दर्शक दीर्घा जाने वाले लोगों को पर्याप्त जांच-पड़ताल के बाद पास देना होगा। निस्संदेह, इस घटनाक्रम ने उन आम लोगों के लिये मुश्किल खड़ी कर दी है जो लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंदिर में कार्यवाही देखने की आकांक्षा रखते हैं। अब उन्हें बेहद कड़ी, जटिल और कई परतों वाली जांच व सुरक्षा से गुजरते हुए दर्शक दीर्घा तक पहुंचने का अवसर मुश्किल से मिल पाएगा।

राजनीति में जात-बिरादरी

भाजपा दूरदृष्टि से काम ले रही थी। वह न केवल मध्यप्रदेश के यादव समुदाय को साधना चाहती थी, बल्कि उत्तरप्रदेश और बिहार के यादवों तक यह संदेश देना चाहती थी कि भाजपा का साथ दिया तो इन राज्यों में भी मोहन यादव जैसे साधारण यादव कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बन सकते हैं। इन प्रदेशों के अखिलेश और तेजस्वी से जुड़े यादव समूहों में भाजपा ने मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का बीज बोने का काम कर दिया है।मध्यप्रदेश में भाजपा के चुनाव जीतने के बाद मंत्री-परिषद की जिस तरह से गोटियां बिठाई जा रही हैं, उससे साफ है कि भाजपा प्रदेश समेत राजस्थान, उत्तरप्रदेश और बिहार को जातीय महत्व का संदेश दे रही है। सबसे पहला संदेश राजस्थान की कद्दावर नेत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को है कि जब 163 सीटों की जीत दिलाने वाले शिवराज सिंह चौहान को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया, तो तुम किस खेत की मूली हो?मध्यप्रदेश में विधायक दल की बैठक में डॉ. मोहन यादव को बिना किसी विरोध के नेता चुन लिया गया। स्वयं शिवराज ने उनके नाम का प्रस्ताव किया और सांसदी छोड़कर मुख्यमंत्री बनने की कतार में बैठे सभी को समर्थन की विनम्र वाणी उच्चारित करनी पड़ी। यादव के मुख्यमंत्री बनने की घोषणा के साथ ही यह संदेश उत्तरप्रदेश के अखिलेश यादव और बिहार के तेजस्वी और तेजप्रताप यादव को चला गया कि यादवी विस्तार का यह शंखनाद भविष्य में इन दोनों प्रांतों में गूंजने वाला है।मोहन यादव को मुख्यमंत्री पद से यूं ही विभूषित नहीं किया गया है। भाजपा के पास मौजूदा वक्त में राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और बिहार में कोई प्रमुख यादव नेता नहीं है। इस नाम के सहारे इन राज्यों में जो बंसी बजेगी, उसकी धुन से कांग्रेस, सपा, राजद और जनता दल में जो यादव बेचैन हैं, वे भाजपा के प्रति लालायित होंगे। अखिलेश और तेजस्वी के यादवी वर्चस्व को 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में यह संकट उठाना पड़ सकता है।मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाना अचरज में जरूर डालता है, लेकिन करीब एक साल पहले जब शिवराज सत्ता विरोधी रुझान से जूझ रहे थे, तब भी मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में मोहन यादव का नाम उछला था, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने बदला नहीं, क्योंकि इसके दूरगामी परिणाम झेलने पड़ सकते थे। भाजपा यदि प्रदेश में हारती तो कहा जाता कि यह हार मुख्यमंत्री बदले जाने के कारण हुई है। यह आरोप मोहन को तो झेलना ही पड़ता, केंद्रीय नेतृत्व भी इस दोष के दायरे में आता।बहरहाल मोदी और शाह की जोड़ी ने मध्यप्रदेश में स्थिति सुधारने के लिहाज से बार-बार यात्राएं करके कार्यकर्ताओं को तो सक्रिय किया ही, शिवराज को भी मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की खुली छूट दे दी। नतीजतन शिवराज ने प्रदेश को कर्ज में डुबोने की परवाह किए बिना, कई स्त्रोतों से कर्ज लिया और उसे बांटकर सत्ता हासिल करने की राह आसान कर ली। इसमें सबसे कारगर योजना लाडली बहना रही जिनके भरोसे भाजपा की नैया पार लगी।चूंकि छत्तीसगढ़ में आदिवासी विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बना दिया था, इसलिए मध्यप्रदेश में फिर से ओबीसी कार्ड खेलना जरूरी था। शिवराज की जाति किरार-धाकड़ के बाद प्रदेश में दूसरा बड़ा समुदाय लोधी है। इस समुदाय की उमा भारती मुख्यमंत्री रह चुकी हैं।

बीबीसी ने भारत सरकार के समक्ष घुटने टेके

ऐसा लगता है कि बीबीसी ने भारत में अपने कार्यालयों पर टैक्स छापों के बाद मोदी सरकार के सामने घुटने टेक दिए हैं। विदेशी मीडिया के लिए भारत के एफडीआई नियमों का पालन करने की मांग के आगे झुकते हुए, ब्रिटिश प्रसारक ने एक नई भारतीय स्वामित्व वाली इकाई की स्थापना की है जो भारत में बीबीसी सेवाओं के लिए कंटेंट तैयार करेगी। बीबीसी इंडिया का पूर्ण स्वामित्व और संचालन उसके यूके स्थित संगठन द्वारा किया जाता था, जिसे मोदी सरकार ने अवैध बताया था। इस साल फरवरी में आयकर विवाद के बाद सरकार ने मांग की थी कि बीबीसी भारतीय नियमों का पालन करे या देश छोड़ दे। जो नई इकाई स्थापित की गई है उसे कलेक्टिव न्यूजरूम प्राइवेट लिमिटेड कहा जाता है और इसका स्वामित्व ब्रिटिश सार्वजनिक प्रसारक के चार भारतीय कर्मचारियों के पास होगा। इन कर्मचारियों ने अब इस्तीफा दे दिया है और कलेक्टिव का कार्यालय नई दिल्ली में बीबीसी के मुख्यालय से बाहर एक वैकल्पिक भवन में स्थानांतरित हो जाएगा। व्यवस्था यह है कि बीबीसी अपनी छह भारतीय भाषा सेवाओं के साथ-साथ अंग्रेजी में अपने भारतीय यूट्यूब चौनल के लिए सामग्री तैयार करने के लिए कलेक्टिव को कमीशन देगा। उल्लेखनीय है कि गुजरात में 2002 की हिंसा के बारे में एक वृत्तचित्र प्रसारित करने के बाद इस साल फरवरी में आयकर अधिकारियों ने बीबीसी के कार्यालयों पर छापा मारा था। बीबीसी के खिलाफलगाए गए आरोपों में से एक यह था कि उसने मीडिया में एफडीआई पर भारत सरकार के नियमों का उल्लंघन किया था,

जिसके तहत विदेशी मीडिया घरानों को भारतीय संस्थाओं के साथ साझेदारी करने की आवश्यकता होती है। मीडिया में विदेशी निवेश की सीमा 26ः है। बीबीसी के समर्पण से उसे अपने विरुद्ध कर चोरी के आरोपों पर सरकार राहत मिलेगी या नहीं यह समय ही बताएगा। हालाँकि, मोदी सरकार को इस बात का संतोष हो सकता है कि उसने दुनिया के प्रमुख मीडिया संगठन को घुटनों पर ला दिया।मोदी सरकार में इस बात को लेकर भारी निराशा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गणतंत्र दिवस समारोह के लिए मुख्य अतिथि के रूप में भारत आने से इनकार कर दिया है। यह यात्रा वर्ष की शुरुआत में भारत द्वारा आयोजित सफल जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद एक विश्व नेता के रूप में मोदी के बढ़ते कद को प्रदर्शित करने वाली थी। मोदी सरकार ने क्वाड बैठक की मेजबानी करके और अगले दिन जापान और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्रियों को उड़ान भरने के लिए बिडेन की यात्रा का अनुसरण करने की उम्मीद की थी।दो बैक-टू-बैक की ये घटनाएं मोदी के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने और अपने शासन के दौरान भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने का एक और अवसर होतीं। यह योजना 2024 के लोकसभा चुनाव अभियान से कुछ महीने पहले ही सही समय पर बनाई गई थी। बाइडेन क्यों नहीं आ रहे हैं, इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। एक स्पष्टीकरण यह दिया जा रहा है कि वह राष्ट्रपति पद के प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प की बढ़ती लोकप्रियता और उनकी अपनी गिरती रेटिंग के मद्देनजर घरेलू मामलों में व्यस्त हैं लेकिन दूसरा अधिक चिंता का कारण है जो भारत-अमेरिका प्रेम संबंधों पर छा गई है जब अमेरिकी न्याय विभाग ने एक भारतीय नागरिक पर, जिस पर रॉ के आदेश पर काम करने का संदेह है, एक सिख अलगाववादी की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। कल्पना करें कि आप अयोध्या में सरयू नदी के तट पर रामायण की ध्वनि और प्रकाश शो देख रहे हैं, पिज्जा खा रहे हैं और पॉपकॉर्न खा रहे हैं। यह जल्द ही राम मंदिर के आसपास बनाए जा रहे नए मंदिर शहर में संभव होगा, जिसका उद्घाटन 22 जनवरी को होगा। जैसा कि हम जानते थे कि अयोध्या को नया रूप दिया जा रहा है। ओवरहाल में चौड़ी सड़कें, मल्टी-लेवल पार्किंग, वाईफाई हॉटस्पॉट, लेकफ्रंट कैफे, एक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, इलेक्ट्रिक बसें, लक्जरी होटल और होमस्टे शामिल हैं। नए लुक वाली अयोध्या की सबसे अनोखी खासियत इसकी भगवा रंग की इमारतें होंगी। पूरे शहर को भगवा रंग में रंगा जा रहा है, यहां तक ष्कि निजी घर भी भगवा रंग में रंगे जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में दावा किया था कि अयोध्या नए भारत का प्रतीक होगी क्योंकि मजदूर 22 जनवरी की समय सीमा को पूरा करने के लिए उन्मत्त गति से काम कर रहे हैं। जहां योगी आदित्यनाथ यूपी को भगवा रंग में रंग रहे हैं, वहीं राजस्थान के नए मुख्यमंत्री भी ऐसा ही कर सकते हैं। सीएम भजनलाल शर्मा की विचारधारा पूरी तरह से संघ के मूल एजेंडे से जुड़ी हुई है। उन्हें ऊंची जातियों के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण के लिए उनके मुखर समर्थन और ओबीसी समूहों की मलाईदार परतों के लिए आरक्षण के विरोध के लिए जाना जाता है। यह देखते हुए कि राजस्थान में अधिकांश जातियों के बीच आरक्षण एक प्रमुख मुद्दा है, यह देखना दिलचस्प होगा कि शर्मा, भाजपा और आरएसएस अगले पांच वर्षों के लिए किस तरह से तालमेल करते हैं।

अपने नेता के लिए जदयू ने लगाया जोर

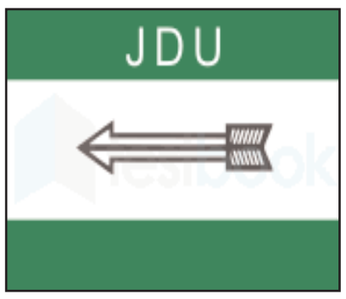

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कमर कस ली है और वह केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ लोगों का समर्थन हासिल करने के एकमात्र उद्देश्य से वाराणसी से 2024 लोकसभा चुनाव के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इसकी तारीख विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद तय की जाएगी। जदयू ने नीतीश कुमार की सार्वजनिक बैठक की सफलता सुनिश्चित करने के लिए वाराणसी के पड़ोसी जिलों से पार्टी के नेताओं को नामित किया है। इस बीच, जद (यू) नीतीश को विपक्ष के एक प्रमुख राष्ट्रीय चेहरे के रूप में पेश करने के लिए अपना प्रयास बढ़ा रहा है, जिसमें झारखंड, हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में उनकी देशव्यापी यात्राएं शामिल हैं। जद (यू) नेता यूपी में अपने गठबंधन और संयुक्त बैठकों की संभावना पर चर्चा करने के लिए जल्द ही समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव के साथ बैठक कर सकते हैं। इस बीच, कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि 'इंडिया' के सहयोगी दल अपनी एकता की पुष्टि करेंगे और लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए एक वैकल्पिक, सकारात्मक एजेंडे पर चर्चा करेंगे। जबकि उत्तर प्रदेश में जद (यू) नेताओं का विचार है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अगले साल होने वाले आम चुनाव में कुर्मी बहुल फूलपुर या मिर्जापुर सीट से चुनाव लड़ना चाहिए। नीतीश कुर्मी ओबीसी समुदाय से आते हैं, और इंडिया गठबंधन को यूपी में ओबीसी तक पहुंचने के लिए इसका फायदा उठाने की उम्मीद है। हालाँकि कुर्मी यूपी की कई सीटों पर चुनावी नतीजे तय करने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, वे राज्य में दूसरा सबसे प्रभावशाली ओबीसी वर्ग हैं। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में हार के बाद राहुल गांधी अपने ओबीसी एजेंडे पर अड़े हुए हैं और तर्क दे रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार जाति जनगणना के मूल मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने पर तुली हुई है। राहुल ने कहा, 'प्रधानमंत्री खुद ओबीसी हैं. लेकिन सवाल यह नहीं है, मुद्दा भागीदारी (प्रतिनिधित्व) का है। संस्थागत संरचनाओं में ओबीसी, दलित और

आदिवासी लोगों की भागीदारी क्या है? धन पर कौन कब्जा कर रहा है?हम यह सुनिश्चित करेंगे कि समाज के गरीबों और वंचित वर्गों को उनका हक मिले।' कांग्रेस इस धारणा से सहमत नहीं है कि भाजपा ने मोहन यादव को मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाकर ओबीसी प्रश्न का समाधान किया था। शिवराज सिंह चौहान भी ओबीसी हैं और अनुभवहीन यादव से कहीं अधिक शक्तिशाली और मजबूत नेता हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि मोदी-शाह ने संसदीय चुनावों से ठीक पहले प्रसिद्ध नेताओं की अनदेखी करके एक बड़ा जोखिम उठाया है और कांग्रेस की वापसी के लिए एक बड़ी शुरुआत की है।कर्नाटक में भाजपा नेतृत्व ने बुधवार को बेलगावी में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक के तुरंत बाद डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार द्वारा आयोजित रात्रिभोज में अपने दो विधायकों और एक एमएलसी के शामिल होने को गंभीरता से लिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि उनकी खुली अवज्ञा की खबरें सामने आने के बाद वह उनसे स्पष्टीकरण मांगेंगे। एसटी सोमशेखर (यशवंतपुर) और शिवराम हेब्बार (येल्लापुर) विधायक हैं, जबकि एच. विश्वनाथ एक एमएलसी हैं, जिन्होंने डिनर पार्टी में हिस्सा लिया।इस बीच, कांग्रेस गारंटी योजनाओं की सफलता दिखाने के लिए हर जिले और विधानसभा क्षेत्र में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना तैयार कर रही है। सांसदोंध्विधायकों को गारंटी के लाभार्थियों को जुटाने के लिए कहा गया था। वहीं, अगले वित्तीय वर्ष में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को 25 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान प्रदान करने के आश्वासन के लिए विधायकों द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को धन्यवाद दिया गया।कांग्रेस नेता राहुल गांधी राष्ट्रव्यापी जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं। इसका उद्देश्य भारत के दलितों, ओबीसी, गरीबों की स्थिति का बेहतर मूल्यांकन करना और महिला आरक्षण में ओबीसी कोटा की वकालत करना है, लेकिन पंजाब कांग्रेस नरम हिंदुत्व खेल रही है और लोगों को ट्रेन या बस से 22 जनवरी, 2024 को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में ले जाने की योजना बना रही है, जिस दिन भगवान राम के मंदिर का उद्घाटन पीएम मोदी द्वारा किया जाएगा। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती हिंदू पहचान की राजनीति के सवाल पर मजबूती से चलना और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण से बचना है। इस बीच, पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने साझा किया कि उनकी पार्टी सीमावर्ती राज्य की सभी 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, क्योंकि उन्हें किसी भी गठबंधन में 2024 का आम चुनाव लड़ने के बारे में आलाकमान से कोई संकेत नहीं मिला है।2024 के लोकसभा चुनावों से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव अपनी पार्टी का समर्थन आधार बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश में कई छोटे दलों के साथ हाथ मिलाने पर विचार कर रहे हैं। अखिलेश यादव अपने पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) मुद्दे पर पूरी तीव्रता से जोर दे रहे हैं और सपा अब गैर-यादव अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो आबादी का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा हैं। इतना ही नहीं हर गांव के युवाओं के साथ सीधा जुड़कर पार्टी भविष्य की रणनीति बना रही है। वास्तव में, 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए सपा ने उत्तर प्रदेश में मिशन 80 की तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच, कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के साथ अपने मतभेद सुलझा लिए हैं और सूत्रों के अनुसार 19 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में अखिलेश की उपस्थिति का संकेत मिल रहा है।

आज का राशि फल

मेषः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

बृषभः- शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः- कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः- नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के ब्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

तुलाः- किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः- कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः- सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः- बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः- अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीनः- पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

धुएं और नारों पर मौन मोदी

बुधवार को भारत के नये संसद भवन में घुसकर धुंआ फैलाने और बाहर नारेबाजी करने के पीछे जो लोग हैं, उनमें से चार को पकड़ लिया गया है तथा कुछ की तलाश जारी है। इनसे पूछताछ से मुख्यतः जो बात सामने आई है, उससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि उनका मकसद कोई बड़ी घटना को अंजाम देना नहीं था, वरन जनता की कतिपय समस्याओं की ओर देश की सबसे बड़ी पंचायत का ध्यान आकृष्ट करना था। यह तो माना जा सकता है कि युवाओं द्वारा अपनी बात को थोड़ा सनसनीखेज तरीके से जरूर उठाया गया है, लेकिन इसके बरक्स दो बातें सामने आई हैं-पहली तो यह कि करोड़ों रुपयों से निर्मित नये संसद भवन की सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत लचर हैय और दूसरी बात है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हमेशा की भांति चुप्पी। इस हादसे ने साबित कर दिया है कि देश के साथ बड़ी से बड़ी बात हो जाये, मोदी अपना मौन व्रत कतई नहीं तोड़ेंगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं वरन एक हद तक शर्मनाक भी है। नया संसद भवन मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। देश में जब कोविड-19 का भीषण प्रकोप था तथा देश को महामारी से लड़ने के लिये बड़ी धन राशि की आवश्यकता थी, तब इसका निर्माण किया गया था। मोदी खुद इसकी प्रगति देखने आते रहते थे। उस समय इस बात का यह कहकर विरोध हुआ था कि पुराने संसद भवन के रहते, वह भी ठीक-ठाक हालत में होने के बावजूद इस नये भवन को बनवाना एक बड़ी फिजूलखर्ची है। बाद में यह बात साफहोती चली गई कि इसका उद्देश्य पुराने भवन के साथ नत्थी देश के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत को मिटाना है। खासकर, उस भवन पर पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जो सुखद छांव बनी हुई थी, वह मोदी को उनकी विचारधारा के कारण कड़ी धूप सी प्रतीत होती थी। इसी क्रम में उन्होंने नेहरू के शासकीय निवास तीन मूर्ति भवन को भी प्रधानमंत्रियों के संग्रहालय में बदलवा दिया। नेहरू विरोध के अलावा मोदी नये भवन का 2024 के लोकसभा चुनाव के लिये भी इस्तेमाल करना चाहते हैं। बहरहाल, इस भवन के बारे में दावा किया गया था कि इसकी सुरक्षा बड़ी पुख्ता है। विशेषकर 13 दिसम्बर, 2001 को पुराने भवन पर हुए आतंकी हमले के मद्देनजर इसकी जरूरत भी थी। इस भवन के उद्घाटन के अवसर पर बुलाये गये विशेष सत्र को छोड़ दें तो यही इसका नियमित सत्र (शीतकालीन) है, जो अब भी जारी है। पहले ही सत्र में, वह भी ठीक उसी दिन-22 वर्षों के बाद इसकी सुरक्षा व्यवस्था की पोल कुछ निहत्थे युवाओं ने खोलकर रख दी। उनके कृत्य को कतई समर्थन नहीं मिल रहा है परन्तु इसमें कोई शक नहीं रह जाना

चाहिये कि इस भवन की सजावट पर तो खूब ध्यान दिया गया है, लेकिन सुरक्षा की बुनियादी आवश्यकता पूरी तरह से नजरंदाज की गई है। दो दशक पूर्व हुए हमले में तो जांबाज सुरक्षाकर्मियों ने आतंकवादियों को संसद भवन में घुसने तक नहीं दिया था। अबकी एक नहीं दो लोग दर्शक दीर्घा से सदन के बीचों-बीच कूद पड़ते हैं और बाकायदा एक से दूसरी बेंचों को फलांगने में भी सफल हो जाते हैं। इनमें से एक युवक ने अपने जूते में छिपाकर लाये केन स्प्रे से पीला धुंआ भी फैलाया। यानी वे कोई हथियार भी ला सकते थे। वे अगर नहीं लाये तो इसका जवाब बाहर उनके द्वारा लगाये गये नारों में छिपा है। बताया जाता है कि उनके साथ दो लोग और थे परन्तु वे दर्शक दीर्घा से ही अफरा-तफरी का फायदा लेकर निकल गये। महत्वपूर्ण सदन के भीतर का धुंआ ही नहीं है वरन गिरफ्तारी के बाद उनके द्वारा लगाये गये नारे भी हैं, जो उनके उद्देश्य को बतलाता है। वे सामान्यजन हैं जो बेरोजगारी, मणिपुर, तानाशाही से सम्बन्धित नारे लगा रहे थे। सवाल यह है कि इस घटना के लिये जिम्मेदार कौन है? इस कांड के ठीक एक दिन पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लगभग 75 साल पहले हुए देश के विभाजन और कश्मीर के मामले में नेहरू की गलतियां गिना रहे थे, जबकि सामने हुई घटना की जिम्मेदारी से वे बचते फिर रहे हैं। सिर्फ वे नहीं, मोदी भी। पूरी सरकार ही मुंह छिपा रही है। मोदीजी ने इस मामले पर अब तक कुछ नहीं कहा है। इसी तरह गृहमंत्री अमित शाह भी जवाबदेही निभाने में निराश कर रहे हैं। दिल्ली पुलिस उनके अधीन है और सुरक्षा का जिम्मा उनके ऊपर है। इस मामले पर जब विपक्ष के लोगों ने संसद में सवाल उठाए तो उनके जवाब देने की जगह सांसदों का मुंह जबरदस्ती बंद कराया गया है। राज्यसभा में गुरुवार को विपक्ष ने 28 नोटिस इस मुद्दे पर बहस के लिए दिए थे। इसी तरह लोकसभा में भी एक दर्जन से ज्यादा इंडिया के सांसदों ने नोटिस देकर इस पर चर्चा की मांग की थी। लेकिन दोनों सदनों में किसी भी नोटिस पर सरकार ने चर्चा नहीं होने दी। और सवाल पूछने के जुर्म में 15 सांसदों को निलंबित कर दिया। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले तेलंगाना में मोदी की प्रचार सभा में एक लड़की टावर पर चढ़ गई थी। वह भी बेरोजगारी से त्रस्त थी। रिश्तेदार बतलाते हैं कि वे देश की मूलभूत समस्याओं से व्यथित थे। नीलम ने तो कई परीक्षाएं पास की हैं पर उसके पास नौकरी नहीं है। रोजगार हो या तानाशाही का आरोप- जवाब तो मोदी को ही देने हैं लेकिन उनके पास आत्म प्रशंसा, विपक्ष को कोसने और खुद को निरीह दर्शाने के लिये कई बातें हैं पर इन बुनियादी बातों का उनके पास कोई जवाब नहीं है। यह नया संसद भवन देशवासियों के पैसों से बना है। इसलिये देश के सुरक्षित हाथों में होने का दिन-रात दावा करने वाले पीएम और भाजपा को बतलाना होगा कि इस गम्भीर चूक का दोषी कौन हैं तथा उन्हें क्या सजा दी जायेगी। बाहर बेरोजगारी और तानाशाही के खिलाफ जो नारे लग रहे थे, उनके जवाब भी मोदी को ही देने हैं। वैसे उनसे इसलिये उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि पिछले 10 वर्षों से वे मौन ही तो हैं।

ऊर्जा मंत्री ने की ओटीएस, आरडीएसएस, बिजनेस प्लान की समीक्षा, कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

गर्मियों में न हो बिजली संकट, पूरे कर लें जरूरी कार्यः शर्मा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश सरकार विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान हेतु तथा उनके बकाये बिलों के भुगतान और चोरी के मामलों को निस्तारित करने के लिये एकमुश्त समाधान योजना 08 नवम्बर से शुरू की। 15 दिसम्बर तक इस योजना के दो चरण पूरे हो चुके है और विद्युत कर्मियों की मेहनत से लोगों को ओटीएस का बड़े पैमाने पर लाभ मिला है। ओटीएस के दो चरणों में 32.63 लाख उपभोक्ताओं ने लाभ लिया और इससे 3300 करोड़ रुपये राजस्व की प्राप्ति हुयी। इससे उपभोक्ताओं को 1120 करोड़ रुपये का छूट में फायदा हुआ। विद्युत चोरी के मामलों में भी 69 हजार लोगों ने इसका लाभ लिया। ओटीएस का तीसरा चरण 31 दिसम्बर तक चलेगा। अभी भी वक्त है, ऐसे उपभोक्ता जिनका बकाया है या विद्युत चोरी के प्रकरण है, वे जल्द से जल्द अपनी समस्या का समाधान करा ले। 31 दिसम्बर के पश्चात ओटीएस की अवधि नहीं बढ़ायी जायेगी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा शनिवार को शक्ति भवन में ओटीएस, आरडीएसएस व बिजनेस प्लान की समीक्षा कर रहे थे। इन

योजनाओं का फायदा लोगों को मिले इसके लिये उन्होंने कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ओटीएस के प्रति लोगों का जबरदस्त रूझान है, इसमें अभी और परिश्रम की जरूरत है जिससे कोई भी व्यक्ति इसके लाभ से वंचित न हो जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि बड़े बकायेदारों से वसूली के लिये मुख्यालय, डिस्कॉम, क्षेत्रीय एवं जिला स्तरीय कार्यालयों से भी प्रयास किये जाये। मोटी चमड़ी वाले बकायेदारों पर विशेष ध्यान देना है। ओटीएस के दो चरणों में पूर्वांचल में 9.30 लाख, मध्यांचल में 9.25 लाख, दक्षिणांचल में 07.13 लाख, पश्चिमांचल में 07.12 लाख, केस्को में 20 हजार उपभोक्ताओं ने ओटीएस में पंजीकरण करा कर सरचार्ज में छूट का लाभ लिया। इसी प्रकार विद्युत चोरी में पूर्वांचल में 18 हजार, मध्यांचल में 11 हजार, दक्षिणांचल में 18 हजार, पश्चिमांचल में 21 हजार तथा केस्को में 1350 लोगों ने ओटीएस का लाभ लेकर अपने प्रकरणों को समाप्त किया। गर्मी में बिजली संकट का सामना न करना पड़े इसके लिये अभी से जो भी आवश्यक मेन्टिनेंस के कार्य हो उन्हे समय से पूरा करे। उन्होने सभी विद्युत अधिकारियों को आरडीएसएस के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिये। केन्द्र सरकार द्वारा चलायी गयी आरडीएसएस योजना से प्रदेश के विद्युत ढांचे को सुदृढ़ कर आने वाले समय से अनुकूल विद्युत व्यवस्था बनानी है। इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होने मिर्जापुर, बस्ती, गोण्डा में योजनान्तर्गत कराये जा रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की और एमडी पूर्वान्चल को सख्त निर्देश दिये कि ऐसी कार्यदायी संस्थाओं के खिलाफ कार्यवाही करें। उन्होने बिजनेस प्लान के तहत कराये जा रहे अनुरक्षण कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिये। किसानों को अपनी फसलों की सिंचाई के लिये विद्युत आपूर्ति में कमी महसूस न हो। इसके लिये निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप 10 घण्टे विद्युत आपूर्ति सिंचाई के लिये जरूर दी जाये। किसानों की विद्युत आपूर्ति में समय के अनुरूप विशेष ध्यान रखा जाये। किसानों को नये कनेक्शन देने में और सामान की आपूर्ति में ढिलाई न बरती जाये। ओटीएस के तीसरे चरण में भी 01 किलोवॉट भार तक के छोटे घरेलू उपभोक्ताओं तथा किसानों को बकाये के सरचार्ज में 80 प्रतिशत की छूट मिल रही है।

राममंदिर का फर्स्ट फ्लोर 80ः तैयार,अब फिनिशिंग टच बचा, मंदिर परिसर में वीआईपी विजिट रोकी गई

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर का फर्स्ट फ्लोर 80ः बनकर तैयार हो चुका है। अब पत्थर के फर्श की घिसाई और पिलर्स के खंभों को कलाकार अंतिम रूप दे रहे हैं। दिसंबर के अंत तक फिनिशिंग और पहले तल का निर्माण पूरा करने कस दावा राम मंदिर ट्रस्ट कर रहा है। समय पर निर्माण पूरे कराने के लिए राम मंदिर परिसर में मजदूरों की संख्या 3200 से बढ़ाकर 3500 कर दी गई है। इसके साथ ही भव्य मंदिर निर्माण स्थल पर वीआईपी के आवागमन पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। इसके पीछे ट्रस्ट का उद्देश्य मंदिर निर्माण की गति बिना अवरोध लगातार जारी रखना है। एलएंडटी और टीसीएस के इंजीनियर्स की देखरेख में आठ-आठ घंटे के 3 शिफ्टों में मंदिर निर्माण का काम लगातार चल रहा है। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य डॉक्टर अनिल मिश्र के अनुसार भव्य प्रकाश के लिए, लाइटिंग का दो बार टेस्ट किया जा चुका है। भूतल के 18 दरवाजे तैयार हैं। इनमें 14 पर सोने की परत लगाई जा रही है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर के 5 मंडप में 3 बनकर तैयार हैं। इनमें नृत्य मंडप और रंग मंडप पूरी तरह तैयार हैं। गुढ़ा मंडप की छत पर कई परत में पत्थरों पर की गई नक्काशी अवलगाई जानी है।

कांग्रेसी टुकड़े-टुकड़े गैंग से ले रहे हैं प्रेरणा, हर मामले में वह भटकते हैं

प्रयाग दर्पण संवाददाता

गोण्डा। जिले के जगदंबा शरण सिंह महाविद्यालय में सांसद बृजभूषण शरण सिंह द्वारा सांसद खेल स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। बीजेपी सांसद और बीजेपी एमएलसी अवधेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। और सभी विजयी प्रतिभागियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बृजभूषण शरण सिंह ने संसद में हुई घटना में आरोपियों की कांग्रेस वकील द्वारा किए जा रहे कानूनी मदद को लेकर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस हमेशा भटक जाती है। आज से नहीं जब राजीव गांधी थे तब भी भटके थे। राम मंदिर का शिलान्यास उन्होंने ही किया था, लेकिन वोट की राजनीति में वह हट गए। जम्मू कश्मीर पर कभी उनका एक राय नहीं रहा। हर मामले में वह भटकते रहे। अभी सनातन के विरोध में कांग्रेस के लोग बोल गए और फिर सनातन के पक्ष में भी खड़े होने की कोशिश करते हैं और विरोध में भी बच रहे हैं। कांग्रेस पार्टी उस तर्ज पर चल रही है। जिस तर्ज पर पहले कम्युनिस्ट चलती थी। कांग्रेस के लोग अब दिल्ली यूनिवर्सिटी के टुकड़े-टुकड़े गैंग से प्रेरणा लेते हैं और उनके नारों का इस्तेमाल करते हैं। इस मामले में भी कांग्रेस भटक रही है। यह इतना संवेदनशील मुद्दा है की इस पर पूरे देश को एक होना चाहिए और एक राय होना चाहिए। जिन लोगों ने संसद में कूदने का प्रयास किया है। उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है और उन लोगों से पूछताछ हो रही है। यह लोग इस घटना में स्वयं नहीं शामिल है, ये सब जानते है इस घटना के पीछे दिमाग है और इसके पीछे लोग है। इस घटना के पीछे वही लोग हैं जैसे जो महिला पकड़ी गई है। वह किसान आंदोलन में भी शामिल थी। पहलवानों के आंदोलन में भी शामिल थी और वो इसमें भी है शाहीनबाग में भी दिखाई दी थी। जब जब भी देश के खिलाफ कुछ होता है देश के कुछ लोग हैं जो उस चीज में शामिल होते हैं। यह जो तीन से चार लोग पकड़े गए हैं, यह इनका खेल नहीं है। इसके पीछे दिमाग है और इसके पीछे हाथ है। अब जांच का विषय है कि किसका हाथ है, लेकिन मैं कहता हूं की गारंटी के साथ इसमें किसी न किसी का हाथ है।सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव द्वारा लोकसभा चुनाव में बीजेपी को हराने को लेकर दिए गए नारे पर बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि अभी देश का मूड क्या है, अभी राज्यों में चुनाव हुए हैं। और यह सब लोग लड़े हैं कोई बचा नहीं है जो ना लड़ा हो और रिजल्ट आपके सामने है, लेकिन यूपी में सपा सबसे अच्छी स्थिति में है।

पिता और दो पुत्रों को 10 साल कैद,पड़ोसी युवक पर किया था जानलेवा हमला

प्रयाग दर्पण संवाददाता

उरई/जलौन। जालौन जालौन में 7 साल पहले सोते समय पड़ोसी पर जानलेवा हमला करने के मामले में जिला और सत्र न्यायालय के न्यायाधीश ने साक्ष्य और गवाहों के आधार पर पिता और उसके दो पुत्रों को दोषी मानते हुए 10-10 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही तीनों पर 22-22 हजार का अदालत ने जुर्माना भी लगाया है। इस मामले की पैरवी करने वाले जिला शासकीय अधिवक्ता लखनलाल निरंजन ने बताया कि 7 साल पहले 3 अप्रैल 2016 को गोहन थाना के ग्राम कुरसेंडा के रहने वाले निवासी जितेंद्र सिंह अपने घर के बाहर चारपाई पर रात के वक्त सोने जा रहा था। तभी पड़ोस में रहने वाला राहुल सिंह उसके घर पहुंचा और उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। इसका विरोध जितेंद्र ने किया, जिस पर राहुल घर चला गया और थोड़ी ही देर में अपने भाई राजकुमार और पिता रूप सिंह के साथ जितेंद्र सिंह के दरवाजे पर पहुंच गया। उसने जितेंद्र सिंह के घर के बाहर जाकर गाली गलौज की। इसका विरोध जितेंद्र द्वारा किया किया, तभी राहुल सिंह जो घर से बल्लम लेकर आया था उसने जितेंद्र सिंह के शरीर पर अचानक हमला बोल दिया और उसके शरीर पर कई बार हमला किया। जितेंद्र घायल हालत में घर के अंदर भागा और उसने अपनी जान बचाई। इसके साथ ही उसने घटना की शिकायत गोहन थाना पुलिस से की, जिस पर पुलिस ने हमला करने वाले राहुल उसके भाई राजकुमार और पिता रूप सिंह विरुद्ध हत्या के प्रयास की धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की, लेकिन पुलिस ने विवेचना के समय पिता का नाम घटना से हटा दिया था और दोनों भाइयों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिए थे। इस मामले का ट्रायल जिला एवं सत्र न्यायालय में जिला जज के यहां विचाराधीन था, जिस पर पीड़ित ने इस मामले में प्रार्थना पत्र पर जिला जज की अदालत में दिया, जिसका संज्ञान लेने के बाद में अन्य आरोपी रूप सिंह का नाम घटना में शामिल कर लिया। शुक्रवार को इस मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद जिला जज लल्लू सिंह ने पिता रूप सिंह और उसके बेटे राहुल सिंह और राजकुमार को साक्ष्य और पांच लोगों द्वारा दी गई गवाही के आधार पर दोषी करार दिया है। पिता-पुत्र को दोषी करार देते हुए 10- 10 साल की सजा सुनाई, साथ ही तीनों पर 22- 22 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

लक्षचंडी महायज्ञ के लिए सरयू की गोद में हुआ भूमिपूजन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर 22 फरवरी से 9 मार्च तक स्वामी प्रखर महाराज के सानिध्य और जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी डॉ राघवाचार्य महाराज के संयोजन में होने वाली श्री लक्षचण्डी महायज्ञ,श्री लक्ष गणपति महायज्ञ, श्रीराम महायज्ञ का भूमि पूजन हुआ।2 किलोमीटर चौड़े और एक किलोमीटर लंबे रेत पर आज से महायज्ञ की तैयारी शुरू हो गई। इसमें देश विदेश के 2 लाख भक्त शामिल होंगे। इस महायज्ञ में अमेरिका,जर्मनी, नेपाल,मारीशस,फ्रांस सहित एक दर्जन देशों सहित देश के सभी प्रमुख राज्यों के भक्तों का आगमन होना है।इसके लिए सरयू के गोद में 5 लाख भक्तों के लिए आवास और भोजन आदि के लिए विशाल प्रबंध किया जा रहा है।महायज्ञ में प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित देश के सभी प्रमुख धर्म नगरियों के महंत शामिल होंगे। अयोध्या के उत्तर दिशा में मां सरयू के पावन तट पर वैदिक विद्वानों द्वारा पूजन किया गया।यह महायज्ञ जो 22 फरवरी से होगा।भूमि पूजन के अवसर पर अयोध्या के सैकड़ो संतो महंतो की उपस्थिति रही। स्वामी प्रखर जी महाराज ने कहा कि यह यज्ञ वैदिक सनातन धर्म के अनुरूप होगा जिसमें विद्वान वैदिक ब्राह्मण पूजन करेंगे कथा होगी। उन्होंने कहा कि यज्ञ का कार्य बहुत कठिन है लेकिन आज हनुमान जी महाराज की पूजा करके मैं यहां आया हूं और वही असंभव काम को संभव करते है। भूमि पूजन कार्यक्रम का संचालन यज्ञ के संयोजक जगद्गुरु डॉ राघवाचार्य महाराज ने आए हुए अतिथियों का सम्मान करते हुए कहा कि प्रखर महाराज के सानिध्य में भगवान श्रीराम की जन्मस्थली पर 22 फरवरी से बृहद यज्ञ का आयोजन होगा जिसका भूमि पूजन किया गया है और अब भूमि पूजन के साथ मां के पावन धारा में यज्ञ का कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है आज से पूरी व्यवस्था बनाई जाएगी तब जा करके 22 फरवरी से आगे प्रारंभ हो पाएगा। श्री राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास महाराज ने कहा कि अयोध्या तपस्वियों की भूमि है और जब प्रभु श्री राम अपने मंदिर में विराजमान होंगे ऐसे समय में यह यज्ञ निश्चित ही सभी का कल्याण करेगा।जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण महाराज ने महाराज ने कहा कि प्रखर महाराज याज्ञिक सम्राट है चारों कुंभों में श्री महाराज जो यज्ञ करते हैं उसके माध्यम से एक अलग कुंभ दिखाई देता है। बड़ा भक्तमाल के महंत स्वामी अवधेश कुमार दास ने कहा कि प्रखर महाराज द्वारा अयोध्या की धरती पर पहला यज्ञ है जो अलौकिक होगा। और यहां एक अलग कुंभ दिखाई देगा।इस अवसर पर संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास,वामन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण, सद्गुरू सदन गोलाघाट मंदिर के अधिकारी बालमुकुंद शरण, जगतगुरु स्वामी रघुनाथदेशिक, कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह,राम कचेहरी मंदिर के महंत शशिकांत दास, बैकुंठधाम आश्रम के महंत शशिधराचार्य , रंग महल के महंत राम शरण दास महंत मनीष दास, एमबी दास, महंत रामायणी रामशरण दास हनुमानगढ़ी के पुजारी हेमंत दास अयोध्या एसएसपी राजकरन नैय्यर,एसपी सुरक्षा पंकज पांडेय,महंत अनिल कुमार दास,महंत रामभद्र शरण,महंत अंजनी शरण आदि सहित सैकड़ों सत उपस्थित रहे।

रास्ते पर लगा जर्जर पेड़ बना जानलेवा,वन विभाग को अप्रिय घटना का इन्तजार

लखनऊ । मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार अस्थाना ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम हनुमान प्रसाद मौर्य से लिखित शिकायत करते हुये बतायाघ् मोहनलालगंज नगर पंचायत के सरांय मोहल्ले में उनका मकान है,मकान के सामने सड़क पर लगा वर्षो पुराना पकरिया का बेहद जर्जर पेड़ लगा है जिसके गिरने से कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है ओर उनका मकान भी क्षतिग्रस्त हो सकता है,जिसे काटा जाना अत्यन्त आवश्यक है पूर्व में दो सम्पूर्ण समाधान दिवसो में शिकायतों के बाद भी वनविभाग समेत नगर पंचायत के अफसरो ने रास्ते पर लगे जर्जर पेड़ को नही काटा ओर दोनो शिकायतो में फर्जी निस्तारण रिपोट लगा दी। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ने कहा जर्जर पेड़ के गिरने से उक्त रास्ते से निकलने वालो के साथ कभी भी कोई अप्रिय घटना हो सकती है जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। एसडीएम ने शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये वन क्षेत्राधिकारी को तत्काल जर्जर पेड़ को रास्ते से हटाने के निर्देश देते हुये सख्त लहाजे में कहा यदि पेड़ ना हटने की दशा में कोई अप्रिय घटना होती है तो उसका जिम्मेदार वन विभाग को माना जायेगा।

एनबीएफजीआर ने चलाया मिशन नवशक्ति

लखनऊ । एनबीएफजीआर द्वारा कौशल विकास मिशन नवशक्ति का आयोजन किया गया है। आईसीएआर-एनबीएफजीआर व ओएफटीआरआई ने एससीएसपीपरियोजना अंतर्गत अनुसूचित जाति समुदाय कीमहिलाओं को सशक्त बनाने के लिए मिशन नवशक्ति चलाया है। इसके तहत सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र में आजीविका बढ़ाने के लिए अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आईसीएआर-एनबीएफजीआर और ओएफटीआरआई सजावटी मत्स्य पालन प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान ने टीम बनाई है जो इस दिशा में कार्य कर रही है।सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र में आजीविका बढ़ाने और आय सृजन के लिए अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए सजावटी मत्स्य पालन प्रशिक्षण अनुसंधान संस्थान वीरपुरा गांव जयसमंद झीलउदयपुर में 16 से 19 दिसंबर तक तीन दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। प्रशिक्षण का कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य संरक्षण अधिकारी वन्यजीव आरके जैन ने किया। अनुसूचित जाति समुदाय की महिलाओं को प्रशिक्षण देने के लिए वन विभाग के साथ सहयोगात्मक प्रयास शुरू करने की बात कही। डॉ. यूके सरकार, निदेशक आईसीएआर-नेशनल ब्यूरो ऑफ फिश जेनेटिक रिसोर्सेज, लखनऊ ने सजावटी मत्स्य पालन क्षेत्र मेंमिशन नवशक्ति के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए आईसीएआर एनबीएफजीआर द्वारा की गई पहल के बारे में जानकारी दी। अरुण कुमार उप मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव ने आईसीएआर एनबीएफजीआर और ओएफटीआरआई के बीच सहयोग के प्रयासों की सराहना की, जो कि महिलाओं द्वारा सजावटी मछलियों के विपणन में सहायता करेगा। डॉ. अतुल जैन ने वीरपुर गांव में रोजगारप्रशिक्षित जनशक्ति और उद्यमिता पैदा करने के लिए ओएफटीआरआई का आभार व्यक्त किया।ओएफटीआरआई की वरिष्ठ प्रशिक्षण प्रशिक्षक और सह-समन्वयक डॉ. अभिनिका जैन ने महिलाओं को आजीविका बढ़ाने के लिए सजावटी मछली क्षेत्र में काम करने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं को ओएफटीआरआई से तकनीकी सहायता के साथ अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। डॉ. पूनम जयंत सिंह, समन्वयक और नोडल अधिकारी एससीएसपी योजना परियोजना, आईसीएआर-एनबीएफजीआर ने महिलाओं को मिशन नवशक्ति के तहत सजावटी मछली क्षेत्र में उद्यमिता की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी। परियोजनाओं में महिलाओं को प्रशिक्षण देकर और वीरपुरा और आसपास के गांवों में प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करके जयसमंद झील के आसपास के गांवों की गतिशीलता को बदलने की परिकल्पना की गई है, जहां महिलाएं आय के वैकल्पिक स्रोत के बिना केवल खेतों में काम करती हैं। महिलाओं ने उन्हें दी जा रही नई सीख के बारे में उत्साह दिखाया और अपने घर के पीछे सजावटी मछली पालन और एक्वैरियम बनाने में अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए इनपुट के रूप में प्रदान की गई एक्वेरियम सेट-अप की बुनियादी किट द्वारा अपना उद्यम शुरू करने के लिए उत्सुकता दिखाई। कार्यक्रम के दौरान एक प्रशिक्षण मैनुअल का विमोचन किया गया।

धर्मावतखेड़ा में बिल्डर ने कई सरकारी जमीने कब्जा कर प्लाटिंग,शिकायत के बाद भी कार्यवाही नही

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी हनुमान प्रसाद मौर्य ने एसीपी नितिन कुमार सिंह समेत सभी विभागो के अधिकारियों की मौजूदगी में फरियादियों की शिकायतें सुनकर निस्तारण के निर्देश दियें। मोहनलालगंज तहसील में आयोजिय सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी हनुमान प्रसाद मौर्य से लिखित शिकायत करते हुये वरिष्ठ अधिवक्ता अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया उनके गांव धर्मावतखेड़ा में फॉर्च्यून टेक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक आयुष प्रताप सिंह ने बंजर,चकमार्ग,नवीनपरती समेत अन्य सरकारी जमीनो पर अवैध रूप से कब्जा कर प्लाटिंग कर दी,साढे आठ माह में सम्पूर्ण समाधान दिवसो समेत उपजिलाधिकारी व तहसीलदार से आधा दर्जन से अधिक शिकायतो के बाद भी सरकारी जमीनो से अवैध कब्जा नही हटाया गया।जब कि जांच में राजस्व टीम को बिल्डर्स का सरकारी जमीनो पर अवैध कब्जा भी मिला।एसडीएम ने शिकायत को गम्भीरता से लेते हुये तहसीलदार को अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दियें।अमेठी नगर पंचायत के अब्बासी नगर निवासी इरफान अब्बासी ने शिकायती पत्र देते हुये बताया नगर पंचायत के वार्ड बगंला में सरकारी नाले पर अवैध रूप से कब्जा कर सईद उर्फ सईद नगरामी ने पक्की दुकान बना ली,पूर्व में शिकायत पर ईओ अमेठी को जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिये।जिसके बाद भी सरकारी नाले से अवैध कब्जा नही हटाया गया।एसडीएम ने ईओ को कड़ी फटकार लगाते हुये अवैध कब्जा हटाने के निर्देश दियें।विनोद कुमार निवासी बगहनखेड़ा मजरा पुरनपुर ने शिकायत करते हुये बताया उनकी ग्राम पंचायत में सरकारी अभिलेखो में पशुचर व चारागाह दर्ज सरकारी जमीनो पर जोगी,अवधेश,नारेन्द्र समेत अन्य कई लोगो ने कब्जा कर पक्के निर्माण करा लिये है। पूर्व में दर्जनो शिकायतो के बाद भी कब्जेदारो पर मेहरबान हल्का लेखपाल ने सुरक्षित जमीन से अवैध कब्जे नही आज तक नही हटाये।रामसमुझ निवासी ग्राम हर्र इ ने बताया उनके पिता की कृषि योग्य भूमि में उनके सभी भाईयों की भूमि का सही से अंश निर्धारण नही किया गया। जांच कराकर अंश निर्धारण सही कराये जिससे सभी को बराबर बराबर भूमि मिल सकें। एसडीएम ने तहसीलदार को जांच कर कार्यवाही के निर्दश दियें।

संदिग्ध परिस्थितियों में बस कंडक्टर की मिली लाश

गोण्डा। जिले में करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक बस कंडक्टर की संदिग्ध परिस्थितियों में लाश मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची करनैलगंज कोतवाली पुलिस ने बस कंडक्टर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की जांच में जुटी हुई है। करनैलगंज पुलिस द्वारा मृतक बस कंडक्टर के परिजनों को भी सूचना दी गई है। दरअसल करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत भभुवा गंधपुरवा के रहने वाले 40 साल के बस कंडक्टर विजय कुमार पप्पू प्राइवेट बस पर कंडक्टर का काम करते थे और अपने परिवार की रोजी-रोटी चलाते थे। लेकिन शनिवार सुबह संदिग्ध परिस्थिति में गोंडा लखनऊ मार्ग के किनारे करनैलगंज बस स्टॉप चौराहे के पास मृतक अवस्था में शव मिलने से हड़कंप मंच गया। करनैलगंज कोतवाल हेमंत गौड़ ने बताया कि बस कंडक्टर की लाश मिली है।

तहसील सदर में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

बहराइच। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए तहसील सदर बहराइच में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने अन्य अधिकारियों के साथ आए हुए फरियादियों के समस्याओं की गंभीरता पूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी लेखपालों को निर्देश दिया कि अमल दरामद से सम्बन्धित निर्णित वादों का अपने रजिस्टर में अंकित कर नियमानुसार अग्रिम कार्यवायी समय से सुनिश्चित कराये अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरुद्ध कठोर कार्यवायी की जायेगी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों का पूरी संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करते हुए गरीब व पीड़ित व्यक्तियों को त्वरित न्याय दिलाते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शासकीय योजनाओं से आच्छादित कर मुख्यमंत्री के निर्देशों को अमलीजामा पहनाया जाय। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि आपके विभाग से सम्बन्धित लम्बित पेंशन प्रकरणों का शत प्रतिशत निस्तारण भी सुनिश्चित कराये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी ने ठंड से बचाव हेतु 10 निराश्रित, असहाय, गरीब व जरूरतमंदो को कम्बल का भी वितरण किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, प्रशिक्षु पीसीएस ज्योति चौरसिया, पीडी डीआरडीए राज कुमार, उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि तहसील सदर में सम्पन्न हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 47 प्रार्थना-पत्रों में 06, महसी में प्राप्त 30 में 02, कैसरगंज में प्राप्त 85 में 08, नानपारा में प्राप्त 34 में 03, पयागपुर में प्राप्त 77 में 08 तथा मिहींपुरवा (मोतीपुर) में 12 में 02 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण मौके पर किया गया।

जनता दर्शन में योगी ने सुनीं 200 लोगों की फरियाद

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान आज यानी शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। इसके बाद मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में अपनी समस्या लेकर पहुंचे लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। सीएम ने सबके पास जाकर उनसे बात की और उन्हें भरोसा दिलाया कि सभी की समस्या का समाधान होगा। इसके बाद उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों को पीड़ितों की समस्या पर ध्यान देने के निर्देश दिए। बता दें कि हमेशा की तरह आज भी सीएम योगी ने सुबह गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया और फिर जनता दरबार लगाया। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने बैठे लोगों के पास योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और बड़े इत्मीनान से उनकी बात सुनने के बाद उनके प्रार्थनापत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित किया। जनता दर्शन में करीब 200 लोग

अपनी समस्या लेकर पहुंचे। जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी। उन्होंने वहां मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दिया जाए और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाएं और उनकी समस्याओं का समाधान कर उसे संतुष्ट करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मजदूर के घर भेज दिया 58 लाख बिजली का बिल,,लगा रहा विभाग का चक्कर

बस्ती। जिले में बिजली विभाग की ओर से एक मजदूर के घर 58 लाख रूपया बिजली का बिल भेज दिया गया है, बिल मिलने के बाद मजदूर के पैरो तले मानों जमीन ही खिसक गई। मजदूर के घर महज तीन बल्ब जलता है और एक ही पंखा चलता है, इतना बिल आने को लेकर मजदूर सहित आस-पास के लोग भी हैरान हैं। बिल ठीक कराने को लेकर अब मजदूर बिजली विभाग का चक्कर लगा रहा है, लेकिन उसकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। दअसल दुबौलिया ब्लॉक के चकमा गांव निवासी अन्तोदय कार्ड धारक दीनानाथ ने बताया कि उनके यहां करीब 58 लाख रुपया बिजली का बिल आया है, बिल बकाया होने के चलते छह माह पूर्व उनके घर का कनेक्शन भी काट दिया, ऐसे में वह अपने बिजली के बिल को सही करवाने व कनेक्शन जोड़ने के लिए बिजली विभाग का चक्कर लगा रहा है। पीड़ित दीनानाथ ने बताया कि 58 लाख बिजली का बिल आया है, सही कराने के लिए साल भर से दौड़ रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है।

हादसों में तीन की मौत, तीन चार घायल, पुलिस ने घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बहराइच। जिले के अलग अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हुए हैं। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हादसे का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरगाह थाना क्षेत्र के तेडवा तुरहनी गांव निवासी दिलीप कुमार (28) पुत्र मनोरथ बाइक से मल्हीपुर की तरफ जा रहा था। बताया जाता है कि बाइक सवार आसाम रोड पर डिवाइडर से टकरा गया। बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। उधर इसी थाना क्षेत्र के सलारपुर गांव निवासी चुन्ना (50) पुत्र दोस्त मोहम्मद बाइक से सलारगंज के निकट से गुजर रहा था। बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी। मौके पर ही बाइक सवार चुन्ना की मौत हो गई। उधर बौंडी थाना क्षेत्र के ग्राम नौशहरा गांव निवासी रमेश मिश्रा (50) पुत्र ओमकार नाथ मिश्र बाइक से बेडनापुर बाजार खरीददारी के लिए आए थे। खरीदारी के बाद रमेश भाई से वापस अपने घर जा रहे थे कोतवाली देहात के गनियापुर गांव के निकट बाइक में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे

उनकी मौत हो गई। नानपारा बहराइच मार्ग पर कोतवाली नानपारा क्षेत्र में बरेली से रसिया बकरी का सामान लेकर जा रही टाटा लोडर वहां को ट्रक ने टक्कर मार दिया, जिससे चालक घायल हो गया। दरगाह थाने के प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर पर ट्रक चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रामगांव थाना क्षेत्र के तुर्खा गांव निवासी प्रियंका पत्नी रामसमुझ अपने भतीजे शिवपाल के साथ ससुराल साइकिल से सोनवा थाना क्षेत्र के इटौरा गांव जा रही थी। बरुहा गांव के निकट साइकिल में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गए। गोंडा बहराइच मार्ग पर डोनक्वा के निकट चार पहिया वाहन की ऑटो से टक्कर हो गई, जिसमें एक युवक घायल हो गया। सभी घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर भर्ती कराया है।

कल मोदी काशी को देंगे 19 हजार करोड़ की सौगात

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 43वें दौरे पर 17-18 दिसंबर को काशी आ रहे हैं। 25 घंटे काशी में रहने के दौरान पीएम मोदी काशी समेत पूर्वांचल को सौगात देंगे। काशी में 19 हजार 155 करोड़ रुपए की 37 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इनमें 12578.91 करोड़ की 23 परियोजनाओं का लोकार्पण होगा। जबकि 6575.61 करोड़ के 14 प्रोजेक्ट का शुभारंभ होगा। वाराणसी से दिल्ली के लिए नई वंदे भारत को हरी झंडी दिखाएंगे। साथ ही काशी को कन्याकुमारी से जोड़ने के लिए विशेष ट्रेन चलवाएंगे। सड़क व पुल, स्वास्थ्य व शिक्षा, पुलिस कल्याण, स्मार्ट सिटी व नगर विकास, रेलवे, एयरपोर्ट, बिजली और पेट्रोलियम ऑयल की सुविधाओं के विस्तार से आमजन को सशक्त भी करेंगे। प्रधानमंत्री चित्रकूट में 4000 करोड़ रुपए से 800 मेगावाट के सोलर पार्क का भी शुभारंभ करेंगे। पीएम लोकसभा चुनाव-2024 के चुनावी आगाज के लिए काशी से मिशन-2024 का शंखनाद करेंगे। 43वें दौरे पर पीएम मोदी स्वर्वेद मंदिर, नमोघाट, कटिंग मेमोरियल और बरकी जनसभा समेत चार कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। पीएम सबसे ज्यादा समय काशी तमिल संगमम को देंगे, जहां दो घंटे से अधिक समय गुजारेंगे। कार्यक्रम के बाद पीएम ने एक घंटे को रिजर्व रखा है, माना जा रहा है कि इसी समय में पीएम काशी की गलियों का भ्रमण करेंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसदीय क्षेत्र काशी में 25 घंटे बिताएंगे। इसमें रेलवे की चार परियोजनाएं, एक रेलवे स्टेशन और फुलवरिया फ्लेरलेन समेत लगभग 39 करोड़ से तैयार 20 सड़कें शामिल हैं। रेलवे की गाजीपुर बलिया रेल लाइन दोहरीकरण, न्यू भाऊपुर फ्रेट कॉरिडोर, जौनपुर सिटी कार्ड लाइन, पीडब्ल्यूडी की कई सड़कें भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने अब तक दो दिवसीय काशी प्रवास के संभावित प्रोटोकॉल में चार कार्यक्रमों का जिक्र है। इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारियों को कुछ अन्य आयोजनों की तैयारी रखने के लिए भी अलर्ट किया गया है। बता दें कि लोकसभा चुनाव-2014 में पीएम मोदी वाराणसी से सांसद बने थे। इसके बाद से उनका काशी से ऐसा नाता जोड़ा कि प्रधानमंत्री रहते 9 साल में 42 बार यहां आ चुके हैं। अब वाराणसी में उनका 43वां दौरा 17-18 दिसंबर को तय हो गया है। पीएम 17 दिसंबर को दोपहर तीन बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां उनका जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ता उनका भव्य स्वागत करेंगे। सड़क मार्ग से 3.30 बजे नदेसर स्थित छोटा कटिंग मेमोरियल ग्राउंड पहुंचेंगे। यहां विकसित भारत संकल्प यात्रा शहरी का हिस्सा बनेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। शाम 5.15 बजे नमोघाट के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 5.30 बजे से नमोघाट पर आयोजित काशी-तमिल संगमम के तहत आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम देखेंगे। प्रधानमंत्री यहां करीब एक घंटे रहेंगे। इसके बाद नौका विहार कर गंगा आरती देखने भी जा सकते हैं। यहां से पीएम बरेका गेस्ट आएंगे। माना जा रहा है कि पीएम रात में शहर में घूमकर कुछ परियोजनाओं का निरीक्षण भी कर सकते हैं।

मुख्तार के खिलाफ24 साल पहले दर्ज हुआ था मुकदमा,अंतिम दौर में चल रही सुनवाई

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। बांदा जेल में बंद माफिया डॉन मुख्तार अंसारी को वाराणसी की एमपी एमएलए कोर्ट ने व्यवसायी महावीर प्रसाद रुंगटा को धमकाने के मामले में साढ़े पांच साल की सजा सनाई है। पूर्व विधायक मुख्तार को पिछले 15 महीने में सात मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। अब आगरा में मुख्तार अंसारी के खिलाफदर्ज मामले में भी सुनवाई अंतिम दौर में हैं। माना जा रहा है कि इस मामले में भी जल्द निर्णय आ सकता है। आगरा में मुख्तार के खिलाफ 24 साल पहले एक केस दर्ज किया गया था। मुख्तार अंसारी के खिलाफ करीब 40 मुकदमों में सुनवाई चल रही है। इसमें एक मामला आगरा में भी चल रहा है। आगरा में मुख्तार अंसारी के खिलाफ 24 साल पहले मुकदमा दर्ज कराया गया था। घटना 18 मार्च 1999 की है। उस समय मुख्तार अंसारी केंद्रीय कारागार में बंद था। जेल में मुख्तार अंसारी को वीआईपी सुविधा दिए जाने की सूचना पर पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने जेल पर छापा मारा था। छापे में मुख्तार अंसारी की बैरक से बुलेटप्रूफ जैकेट, मोबाइल और सिम आदि बरामद किया था। उसके खिलाफ जगदीशपुरा थाने में तत्कालीन थानाध्यक्ष शिवशंकर शुक्ला की ओर से अभियोग दर्ज कराया गया था। इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायधीश एमपी एमएलए कोर्ट में चल रही है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मुख्तार की पेशी होती है। इस मामले में पुलिस द्वारा 25 लोगों को गवाह बनाया गया था। इसमें वादी शिवशंकर शुक्ला, तत्कालीन डीएम आरके तिवारी, एसएसपी सुबेश कुमार सिंह,एसपी सिटी डीसी मिश्रा, एडीएम सिटी एके सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट पीएन दुबे पूर्व सीएमओ एके सक्सेना, वरिष्ठ अधीक्षक केंद्रीय कारागार केदारनाथ, उप जेलर कैलाशचंद, उप निरीक्षक रूपेंद्र गौड़, खंदौली निवासी जगवीर समेत 17 लोगों की गवाही हो चुकी है। वहीं कई गवाहों की मौत हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

मंदिरों में मूर्तियों को पहनाए गए गर्म कपड़े

वाराणसी। भक्त और भगवान के बीच में आस्था की डोर बंधी होती है। यही वजह से कि जिस प्रकार से भक्तों को भूख प्यास और सर्दी गर्मी का एहसास होता है, उसी प्रकार से उसके भगवान को भी और इसी आस्था और विश्वास के चलते इन दिनों वाराणसी के मंदिरों में भगवान भी स्वेटर, शॉल और टोपी में नजर आ रहें हैं। काशी के तमाम मंदिरों में इन दिनों ऐसी ही तस्वीर देखने को मिल रही है। जहां भगवान को ऊनी कपड़ा पहनाया जा रहा हैं। उत्तर प्रदेश के तमाम हिस्सों में कोहरा और शीतलहर का कहर अब शुरू हो गया है। जिसका सीधा असर अब धर्म नगरी काशी के मंदिरों पर देखने को मिल रहा है। वाराणसी के सोनारपुरा क्षेत्र के गौड़ीय मठ में जहां भगवान राधा कृष्ण को ठंड से बचाने के लिए भक्तों ने प्रेम और श्रद्धा भाव के तमाम प्रयास किए है। उन्हें स्वेटर, शॉल और टोपी लगाई गई है। इसके अलावा भोग में भी उन्हें गर्म समान दिए जा रहें है। मठ के व्यवस्थापक और महंत गोविंद महाराज ने बताया कि जिस तरह हम इंसान अलग-अलग मौसम में खुद को बचाने के लिए तमाम कवायत करते थे। ठीक उसी भाव से हम ठंड के सीजन में भगवान को भी गर्म कपड़े पहनाकर उन्हें इससे बचाते है और उनका सेवा भाव करते है। पुराने समय से यह परंपरा चली आ रही है। भगवान को ऊनी वस्त्र पहनाए जाने के पीछे एक मान्यता ऐसी भी है कि मंदिरों में विराजे इन देव विग्रहों का प्राण प्रतिष्ठा किया जाता है। जिसके बाद ये माना जाता है कि इन देव विग्रहों को भी इंसानों की तरह अलग-अलग मौसम का प्रभाव पड़ता है। इसी को देखते हुए भक्त श्रद्धा भाव से भगवान को ये कपड़े पहनाते हैं।

गैस सिलेंडर के इंतजार में बैठा रहा ढाबा मालिक

आगरा। आगरा के संजय प्लेस में दो पक्षों में गैस सिलेंडर को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट हुई। एक तरफसे पत्थर भी उठाए गए। हालांकि किसी भी व्यक्ति को पत्थर नहीं मारा गया। दोनों पक्ष एक दूसरे से काफी देर तक धक्का मुक्की ही करते रहे। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं इस मामले में पुलिस का कहना है कि किसी भी पक्ष से शिकायत नहीं आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आगरा के संजय प्लेस में इनकम टैक्स विभाग के बाहर ढाबा मौजूद हैं। ढाबे पर काफी ग्राहक बैठे हुए थे। ऐसे में गैस सिलेंडर खत्म हो गया। जिसके बाद ढाबा मालिक ने गैस वाले को फोन कर सिलेंडर मंगाया। लेकिन गैस सिलेंडर काफी देर में पहुंचा। इस पर ढाबा मालिक ताव में आ गया और उसने गैस सिलेंडर लाने वाले युवक के साथ अभद्रता शुरू कर दी। दोनों में जमकर धक्का मुक्की हुई और मारपीट शुरू हो गई। दोनों पक्ष की तरफसे जमकर लात घुसे चलने लगे। एक पक्ष द्वारा दूसरे को मारने के लिए पत्थर भी उठा लिया गया। हालांकि मौके पर मौजूद कई लोगों ने काफी देर तक दोनों पक्ष में बीच-बीच बचाव कराने की कोशिश भी की। मारपीट और धक्का मुक्की का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। संजय प्लेस चौकी प्रभारी निशामक त्यागी ने बताया कि गैस सिलेंडर को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई थी। मारपीट नहीं हुई और दोनों ही पक्ष की तरफसे कोई भी शिकायत नहीं दी गई है।

जिले की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन,163 शिकायतों में सिर्फ21 का निस्तारण

अमेठी। जिले की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील गौरीगंज में प्रभारी जिलाधिकारीध्मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में प्रभारी जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये और शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए उसे ससमय पूरा किया जाए। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग के संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा. इलामारन जी ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। आज संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग, पुलिस विभाग तथा विकास विभाग से संबंधित प्राप्त हुई। जिनके निस्तारण के लिए प्रभारी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। आज तहसील गौरीगंज में कुल 34 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 5 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गया।तहसील मुसाफिरखाना में 36 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 5 का निस्तारण किया गया। तहसील तिलोई में 24 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 2 का निस्तारण किया गया और तहसील अमेठी में 69 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 9 शिकायतों का निस्तारण किया गया।शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई।

नाबालिग पत्नी का पति उसका प्राकृतिक अभिभावकः इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग विवाहिता की अभिरक्षा के मामले में अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि एक नाबालिग जो अपने कल्याण और भावी जीवन के बारे में निर्णय लेने में सक्षम है और स्वेच्छा से वैवाहिक संबंध में प्रवेश कर सकती है, उसे जबरदस्ती किसी निर्णय को मानने के लिए बाध्य करना अनुचित है। कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम और बाल विवाह निरोधक अधिनियम दोनों स्पष्ट रूप से किसी नाबालिग के विवाह को शून्य या शून्यकरणीय घोषित नहीं करते हैं, इसलिए ऐसे बाल विवाह वैध माने जाते हैं, और हिंदू अल्पसंख्यक और संरक्षकता अधिनियम के तहत नाबालिग पत्नी के पति को उसके प्राकृतिक अभिभावक के रूप में मान्यता दी जाती है। दरअसल नाबालिग के पिता द्वारा 2022 में पुलिस स्टेशन गांधी पार्क, अलीगढ़ में आईपीसी की विभिन्न धाराओं और पोक्सो अधिनियम की धारा 3ध्4 के तहत दर्ज प्राथमिकी पर विचार करते हुए बाल कल्याण समिति के निर्देश पर पीड़िता को 11 जनवरी 2023 को राजकीय बाल गृह, कानपुर भेज दिया गया। उक्त आदेश के खिलाफ दंपति ने वर्तमान याचिका दाखिल की, जिसमें पति ने अपनी नाबालिग पत्नी की कस्टडी के लिए प्रार्थना की है। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिड़ला और न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर के खंडपीठ ने नाबालिग पत्नी शिवानी की कस्टडी पति को सौंपने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि 30 सितंबर 2022 को जब लड़की की मां ने 17 वर्षीय लड़की को डांटा तो वह घर छोड़कर चली गई। शिकायतकर्ता (लड़की के पिता) ने उसे ढूंढने का हर संभव प्रयास किया, लेकिन वह नहीं मिली। प्राथमिकी में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि वह मनीष प्रताप सिंह के साथ भाग गई। अतः नाबालिग के पति पर पोक्सो अधिनियम के तहत भी आरोप दर्ज किया गया, क्योंकि घटना के दिन पीड़िता 16 साल 4 महीने और 14 दिन की थी। अंत में कोर्ट ने याचिका का निस्तारण करते हुए पलपिको अभिरक्षा उसके पति को सौंप दी।

निर्भया दिवस पर महिला यौन हिंसा के खिलाफ निकाली जन आक्रोश साईकिल रैली

प्रयाग दर्पण संवाददाता

वाराणसी। निर्भया दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रधानमंत्री के सांसद आदर्श नागेपुर से सैकड़ों महिलाओं और बालिकाओं ने घरेलु महिला हिंसा, लैंगिक भेदभाव, यौन उत्पीड़न व शराब बिक्री के खिलाफ साइकिल रैली निकाली. आशा ट्रस्ट व लोक समिति द्वारा आयोजित जन आक्रोश साइकिल रैली में आराजीलाइन और सेवापुरी ब्लाक के दर्जनों गांव से आई सैकड़ों महिलाएं और बालिकाएं नागेपुर स्थित लोक समिति आश्रम पर जुटी। जिसमे नागेपुर से प्रारम्भ हुई साइकिल रैली मेंहदीगंज, बीरभानपुर, कचनार, राजातालाब बाजार और आराजीलाइन ब्लाक मुख्यालय होते हुए राजातालाब तहसील पर पहुंची। हाथ में तख्ती-बैनर लिए लोगों ने तहसील गेट पर बालिकाओं और महिलाओं की शिक्षा और सुरक्षा को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। लोगों ने महिला हिंसा बंद करो, छेड़खानी पर रोक लगाओ, शराब बेचना बंद करो, चुप नही रहना हैं हिंसा नहीं सहना हैं, भेदभाव मिटायेंगे नया समाज बनाएंगे आदि नारे लगाए। इस दौरान यूपी की बेटी निर्भया को श्रद्धांजलि देने के साथ ही महिला हिंसा को जड़ से मिटाने का संकल्प लिया गया। प्रतिरोध सभा में लोगों ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के साथ प्रतिदिन छेड़खानी,लैंगिक भेदभाव,यौन हिंसा की घटनाएं हो रही है,इसे सरकार और समाज को कड़ाई से रोकना होगा. प्रदर्शन के बाद राष्ट्रपति के नाम प्रेषित 11 सूत्रीय मांग पत्र नायब तहसीलदार श्वेता मिश्रा को सौंपा गया। लोक समिति के संयोजक नन्दलाल मास्टर ने कहा कि हर गांव व शहर में आए दिन बालिकाओं और महिलाओं के साथ छेड़खानी व दुराचार की घटनाएं हो रही हैं। सरकार को इसके खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए। महिला हिंसा के खिलाफ पिछले 25 नवम्बर से आराजी लाइन्स और सेवापुरी ब्लाक के 80 गांवों में रैली, नुक्कड़ सभा, रैली, जुलूस, कैंडल मार्च, थाना भ्रमण आदि के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सोनी अनीता, सरोज, आशा, सीमा, मंजिता, मधुबाला, शमांबानो, प्रेमा, विद्या, प्रीति, श्यामसुन्दर, रामबचन, प्रेमा, चंद्रकला, मैनब, बेबी, राजकुमारी, सुनील, सरोज, शीला, आशा रानी, शिवकुमार, विद्या, मनीष, पंचमुखी, सुनील, अवनीश, शमा बानो समेत अन्य शामिल रहे।

मंगलवार से शुरू होगी अग्निवीर सेना भर्ती रैली,10 हजार से अधिक अभ्यर्थी करेंगे प्रतिभाग

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अमेठी। जिले में मंगलवार से शुरू हो रही अग्निवीर सेना भर्ती रैली को लेकर अमेठी प्रशासन के साथ-साथ सेना के अधिकारियों ने भी तैयारी तेज कर दी है। अमेठी के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में 19 दिसंबर से होने वाली सेना भर्ती रैली 29 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी, जिसमें 10 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। भर्ती रैली को लेकर सेना के अधिकारी आज स्टेडियम पहुंचे। जहां उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया। अमेठी प्रशासन की तरफसे स्टेडियम को सेना भर्ती प्रमुख को हैंडओवर कर दिया गया। दरअसल, अमेठी एआरओ के अंतर्गत आने वाले प्रदेश के 13 जिलों की अग्निवीर सेना भर्ती रैली मंगलवार से शुरू होगी। अमेठी के डॉ भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में आयोजित होने वाली अग्निवीर सेना भर्ती रैली में 13 जिलों के 10 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। भर्ती रैली को सकुशल और निर्विवाद रूप से सम्पन्न कराने के लिए जहां अमेठी प्रशासन पूरे जोर शोर से जुटा है, तो सेना भर्ती से जुड़े सेना के अधिकारी और जवान आज स्टेडियम पहुंच गए। सेना के करीब 10 गाड़ियों से 200 से अधिक जवान और अधिकारी स्टेडियम पहुंचे। जहां उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया। ये वहीं अधिकारी और जवान है जो सेना भर्ती को सकुशल सम्पन्न कराएंगे। बताया जा रहा है कि सेना भर्ती के दौरान स्टेडियम के चप्पे चप्पे पर सेना के जवान तैनात रहेंगे और किसी भी बाहरी व्यक्ति की गेट के अंदर एंट्री नही रहेगी।सिर्फ सेना भर्ती के लिए आये एंट्रेंस पास कर चुके अभ्यर्थियों को ही पूरी जांच के बाद अंदर जाने की अनुमति होगी।अमेठी प्रसाशन द्वारा सारी तैयारियों को पूरा करने के बाद स्टेडियम को सेना भर्ती प्रमुख को हैंडओवर कर दिया गया। वहीं अग्निवीर भर्ती को लेकर उप जिला क्रीड़ा अधिकारी मो मुशर्रफने कहा कि 19 दिसंबर से 29 दिसंबर तक अग्निवीर सेना भर्ती रैली का आयोजन भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में होगा जिसमें 13 जिलों के क्वालिफाइड छात्र शामिल होंगे। जिला प्रशासन की तरफसे मिले आदेश के बाद पूरे स्टेडियम को साफ सफाई और सारी व्यवस्थाओं को चुस्त दुरुस्त करके सेना भर्ती के प्रमुख को हैंडोवर कर दिया गया है। आगे की जो भी कार्रवाई होगी वह सेवा भर्ती के प्रमुख द्वारा की जाएगी।

बाइकों की भिड़ंत में मां-बेटा समेत 3 मरे

अलीगढ़। जिले के छर्रा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात दो बाइक की आमने सामने की भीषण भिड़ंत हो गई। बाइकों की भिड़ंत में इसमें सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसमें मां-बेटा समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ने एम्बुलेंस के जरिए सभी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां महिला और दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं अन्य दोनों घायलों की स्थिति गंभीर होने के चलते उन्हें जेएन मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। छर्रा के अतरौली मार्ग पर रामपुर गांव के पास शुक्रवार देर रात यह हादसा हुआ। इसमें जान गंवाने वाले मां बेटा हाथरस के सिकंदराराऊ के रहने वाले थे। हाथरस निवासी रीना (44) अपने इकलौते बेटे सचिन के साथ अतरौली के गांव औरैनी दलपतपुर निवासी अपनी ननद के घर आई थी। अपनी ननद से मिलने के बाद वह वापस हाथरस लौटते के लिए निकली थी। जैसे ही दोनों मां-बेटा छर्रा क्षेत्र के अतरौली मार्ग पर पहुंचे, सामने से आ रही बाइक से उनकी भिड़ंत हो गई।

पढ़ाई के आगे फीका नहीं पड़ा हर्ष का टैलेंट,गले से निकालते हैं सैकड़ों आवाज, करते हैं बीट बॉक्सिंग

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। परिवार और पढ़ाई का वजन कंधों पर होने के बावजूद भी अगर आपको अपने अंदर के टैलेंट को जिंदा रखना है। तो यह सब आप आगरा के हर्ष लालवानी से सीख सकते हैं।

हर्ष अपने गले से कई तरह के गीत, संगीत, धुन, जानवरों व अन्य इमोशंस की आवाज निकाल कर बीट बॉक्सिंग करते हैं। हर्ष ने पिता के बाद में परिवार को संभाल अपनी पढ़ाई को पूरा किया और साथ ही साथ अपने टैलेंट को भी जिंदा रखा। खेल-खेल में शुरू हुआ हर्ष का टैलेंट धीरे-धीरे उन्हें उन्नति की ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम कर रहा है। उनका कहना है कि एक दिन उनका यह टेलेंट हर किसी की जुबान पर होगा। आगरा के काला महल निवासी 21 वर्षीय हर्ष लालवानी के पिता का देहांत हो चुका है। दो बड़ी बहनें थीं जिनकी शादी हो गई। अब हर्ष अपनी मां के साथ ही रहते हैं। परिवार चलाने की जिम्मेदारी हर्ष के कंधों पर थी। ऐसे में उन्होंने पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी करना भी शुरू कर दिया। हर्ष बताते हैं कि वह एमआर की नौकरी करते हैं और जो समय मिलता है उस समय में अपनी पढ़ाई से संबंधित काम करते हैं। साथ ही थोड़ा समय अपने टैलेंट के लिए भी निकाल लेते हैं। हर्ष ने बताया कि जब वह सातवीं क्लास में थे तब उनके घर के पास रहने वाले एक भैया मुंह से कुछ आवाज निकालते थे। इसी तरह की आवाज हर्ष निकालने लगे और उन्हें धीरे-धीरे इंटरेस्ट आने लगा। इसके बाद उन्होंने कई और आवाज निकालना भी शुरू कर दिया। आलम यह हुआ कि हर्ष के गले से निकलने वाली इन आवाजों को लोग पसंद करने लगे। लोगों की डिमांड पर हर्ष कभी भी और कहीं भी मनोरंजन के लिए अलग-अलग तरह की आवाजें निकालना शुरू कर देते। धीरे-धीरे यह शौक उनका हुनर बन गया। लेकिन परिवार की जिम्मेदारी और पढ़ाई हुनर के आगे आ गई। कुछ समय के लिए हर्ष को अपना ध्यान अपनी पढ़ाई और परिवार पर केंद्रित करना पड़ा। ऐसे में कक्षा 11 तक उन्होंने अपने हुनर पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। हर्ष नौकरी करने लगे और परिवार चलाने लगे।

रविवार को गुरुद्वारों में सजेंगे कीर्तन दरबार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

आगरा। हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर साहिब का शहीदी दिवस 17 दिसंबर को मनाया जाएगा। गुरुद्वारा गुरु का ताल में इस अवसर पर विशेष कीर्तन समागम का आयोजन किया जा रहा है। रक्तदान शिविर भी लगेगा। कीर्तन दरबार के पोस्टर का विमोचन शनिवार को किया गया। गुरुद्वारा गुरु का ताल के मुखी संत बाबा प्रीतम सिंह ने बताया गुरुद्वारा गुरु का ताल वह ऐतिहासिक स्थान है जहां से श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की गिरफ्तारी हुई थी और उन्हें यहां 9 दिन नजर बंद भी रखा गया था। 9 दिन तक इस स्थान पर गुरुजी ने बैठकर तप किया। इसके बाद उन्हें दिल्ली ले जाया गया जहां चांदनी चौक में उनकी शहादत हुई। जिस स्थान पर गुरुजी की गिरफ्तारी हुई थी उसे स्थान पर गुरुद्वारा मंजी साहिब स्थापित है और जहां गुरु जी ने 9 दिन तक बैठकर तप किया था। वहां भोरा साहिब आज भी अपने पुराने ऐतिहासिक स्वरूप में विद्यमान है। 14 दिसंबर को गुरुद्वारा मंजी साहिब को दुग्ध स्नान कराया गया था। इसके बाद 15 दिसंबर को अखंड पाठ साहिब रखे गए। 17 दिसंबर सुबह अखंड पाठ साहिब की समाप्ति होगी और शाम को 7 से 10 बजे तक भव्य कीर्तन समागम का आयोजन किया जा रहा है। श्री दरबार साहिब अमृतसर से भाई स्वरूप सिंह जी रूप कीर्तन के लिए आ रहे हैं। जबकि पीटीसी चौनल के डॉक्टर हनवंत सिंह जी पटियाला भी उपस्थित रहेंगे। निःशुल्क चिकित्सा शिविर के अलावा रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा। संत बाबा प्रीतम सिंह जी ने बताया कि इस विशेष पर्व के लिए विशेष रूप से सरसों का साग व मक्के की रोटी बनाई जाएगी। जिसके लिए गुरुद्वारे के खेतों में सरसों को उगाया गया था। गुरुद्वारे में पैदा हुई सरसों की फसल को तोड़कर पूरी श्रद्धा के साथ सरसों का साग तैयार किया जा रहा है। लगभग 3 कुंतल से अधिक सरसों को तोड़कर यह साग तैयार किया जाएगा। इसके अलावा कढ़ी चावल के साथ-साथ ब्रेड पकोड़ा का लंगर भी होगा। रविवार को गुरुद्वारा माईथान में भी गुरुद्वारा माईथान में भी कीर्तन दरबार सजेगा। सुबह सात से दोपहर दो बजे तक गुरवाणी का गायन होगा।

सिक्योरिटी गार्ड की हत्या करने वालों से पुलिस की मुठभेड़

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में पुलिस और बाइक सवार बदमाशों के बीच में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घायल बदमाश ने दो दिन पहले ही एक सिक्योरिटी गार्ड की हत्या कर दी थी।दरअसल बिसरख थाना क्षेत्र में 14 दिसंबर को एक सिक्योरिटी गार्ड की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक के भाई द्वारा शिकायत दी गई।

जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कुछ नाम प्रकाश में आए। उसी के आधार पर पुलिस थाना क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी, तभी एक मोटरसाइकिल पर दो संधिग्ध आते दिखाई दिए। जिन्हें पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन वह लोग नहीं रुके। अपनी मोटरसाइकिल को दौड़ा दिया। जब पुलिस ने उनका पीछा किया तो आनन फानन में मोटरसाइकिल गिर गई। इसके बाद पीछे बैठे हुए बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। इसी दौरान उसके पैर में गोली लग गई और घायल होकर गिर गया। पुलिस ने बदमाश को दौड़कर पकड़ लिया। घायल हुए बदमाश की पहचान योगेन्द्र उर्फ मेजर के रूप में हुई। वह थाना क्षेत्र के रोजा याकूबपुर का रहने वाला है। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया। बदमाश के पास से तमंचा, कारतूस व मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं उसका एक अन्य साथी मौके से फरार हो गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। घायल बदमाश योगेन्द्र थाना बिसरख का हिस्ट्रीशीटर भी है। उसके विरूद्ध लूट, डकैती के दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी योगेन्द्र उर्फ मेजर द्वारा 14 दिसम्बर को सिक्योर्टी गार्ड धीरज की अत्यधिक पिटाई कर दी थी, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

ग्रेनो में 5 संस्थाओं पर 2.51 लाख का जुर्माना

प्रयाग दर्पण संवाददाता

नोएडा। कूड़े का उचित प्रबंधन न करने पर बल्क वेस्ट जनरेटरों के खिलाफ ग्रेटर नोएडा की तरफसे कार्रवाई जारी है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जनस्वास्थ्य विभाग ने एक्सपो मार्ट, युनिटेक हैबिटेट सेंटर, एल्डिको ग्रीन मिडोज, पार्श्वनाथ प्लैटिनम सोसाइटी और अंबे भारती सोसाइटी पर कुल 2.51 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर जनस्वास्थ्य विभाग की तरफसे अभियान चलाया गया है। प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह ने जनस्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ नॉलेज पार्क टू स्थित एक्सपो मार्ट एवं एक्सपो इन सूईटस कनवेंशन सेंटर का जायजा लिया। संस्थान की तरफसे कूड़े का सेग्रीगेशन और उचित निस्तारण नहीं किया जा रहा था। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट-2016 रूल की अवहेलना करने पर जनस्वास्थ्य विभाग की तरफसे 52 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही ओएसडी ने सेक्टर स्वर्णनगरी स्थित पार्श्वनाथ प्लैटिनम सोसाइटी और सेक्टर पाई 1 स्थित सोसाइटी अंबे भारती का भी जायजा लिया। बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में होने के बावजूद इन सोसाइटियों के प्रबंधन की तरफसे कूड़े का उचित निस्तारण नहीं किया जा रहा था, जिसके चलते दोनों सोसाइटियों पर 12,200-12,200 रुपये का जुर्माना लगाया गया।इसके बाद ओएसडी ने अपनी टीम के साथ एल्डिको ग्रीन मिडोज का निरीक्षण किया और कूड़े का उचित प्रबंधन न मिलने पर 1,30,200 का जुर्माना लगाया गया। ओएसडी इंदू प्रकाश सिंह ने पाई टू स्थित यूनिटेक हैबिटेट का भी निरीक्षण किया और कूड़े का उचित निस्तारण न होने के चलते 44,400 रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माने की रकम प्राधिकरण के खाते में शीघ्र जमा न करने पर और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने बल्क वेस्ट जनरेटरों को कूड़े का उचित प्रबंधन करने और ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ रखने में सभी निवासियों से सहयोग करने की अपील की है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित। संस्थापक :-स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा ।संपादकः-स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)। मोबाइल नंबर 9450475366 Email :- prayagdarpan@gmail.com, R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804 इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।